◆ जनवरी, 2022 ◆ मूल्य: 35/-

वसुधैव कुटुम्बकम् की भावना से अनुप्राणित

अभ्युदय वात्सल्यम्

राष्ट्रीय हिन्दी मासिक समाचार पत्रिका

व्यक्ति विशेष

गौतम अदानी

वैश्विक उद्योग जगत के महारथी

गौतम अदानी को आज अपनी दूरदर्शिता, व्यावसायिक पराक्रम, दूरगामी रणनीति व श्रेष्ठ प्रबन्धकीय गुणों के कारण वैश्विक औद्योगिक जगत के महारथी की स्थिति एवं प्रतिष्ठा प्राप्त है

BLUE STAR

NOBODY COOLS BETTER℠

AN AC SO PRECISE, IT COOLS IN DECIMALS.

10792521

INDIA'S FIRST PRECISION INVERTER ACs

- 52°C — Cools up to 52°C
- 23.5°C — Precision Cooling Technology
- 0%* Finance — 8 to 20 EMI options ₹0 down payment
- Free Standard Installation#
- 5% Cash Back on Credit/ Debit Cards**
- Up to ₹10000 Exchange Offer##

With over seven decades of expertise in air conditioning, Blue Star takes cooling to a whole new level. With a range of Inverter ACs that are so precise they allow you to change the temperature in decimal points. So that you can set the temperature just the way you want it, right down to the last decimal. These precision inverter ACs also let you save 40%^^ more power and give stabiliser^ free operation. So enjoy comfort without the slightest degree of compromise.

Visit us at: **www.bluestarindia.com** or SMS **'COOL'** to **57575** or call us at: **1800 209 1177** (toll free).

^^40% power savings in 5 star rated inverter ACs as compared to 1 star rated fixed speed ACs, under standard test conditions. ^No need for external voltage stabilisers since Blue Star inverter ACs can withstand power fluctuations within 160V to 270V. #Applicable for all WACs and SACs up to 1.5T capacity, for installations in residential / household usage only. *Multiple options from 8 to 20 months EMI. No Processing Fees. ₹ 0/- Down Payment option also. Finance solely at the discretion of the lending company and the scheme availability in a particular location or store. **5% Cashback offer is valid on full swipe transactions (i.e. Non-EMI/Finance options) of select participating bank debit and credit cards. The offer is available at select locations and at select stores on transactions made using the Brand EMI option on Pine Labs terminals. Cashback shall be credited on or before 90 business days from the date of the transaction on best effort basis to active accounts only. ##Up to ₹10000 discount on the MRP of the new product against the exchange of old AC in working condition of similar tonnage and type. As per the Government rules on e-waste and protection of environment, the recyclable materials in the old AC will be recycled or disposed in environmentally friendly manner through Government authorised e-waste service providers. For more information please call 1800 209 1177.

HDFC MUTUAL FUND

BHAROSA APNO KA

Diversifying your investments across asset classes helps to mitigate the impact of market fluctuations. In a world of uncertainties, asset allocation is critical. Thankfully, various categories of hybrid schemes - investing in a combination of asset classes, provide a convenient route to asset allocation and keep your tension away!

Choose from asset allocation solutions

- Conservative Hybrid Fund
- Equity Savings Fund
- Multi Asset Allocation Fund
- Balanced Advantage Fund
- Aggressive Hybrid Fund

Contact your MFD/RIA.

An Investor Education Initiative by HDFC Mutual Fund

For KYC, change of address, investor complaints redressal, etc. visit, https://www.hdfcfund.com/information/key-know-how.

MUTUAL FUND INVESTMENTS ARE SUBJECT TO MARKET RISKS, READ ALL SCHEME RELATED DOCUMENTS CAREFULLY.

वसुधैव कुटुम्बकम् की भावना से अनुप्राणित

अभ्युदय वात्सल्यम्

राष्ट्रीय हिन्दी मासिक समाचार पत्रिका

■ वर्ष-14 ■ अंक-06 जनवरी, 2022 ■ मूल्य- 35/-

संस्थापक सम्पादक : कृपाशंकर तिवारी
प्रधान सम्पादक : आलोक रंजन तिवारी
प्रबन्ध सम्पादक : शिवा तिवारी
दिल्ली - एनसीआर ब्यूरो : आशुतोष मिश्रा
लखनऊ ब्यूरो : हरिभजन शर्मा
विज्ञापन प्रबंधक - संजय सिंह
ग्राफिक डिजाइनर - अनमोल शुक्ल, अनिल मशालकर
फोटोग्राफर - हार्दिक रामगुड़े, राहुल पारकर

पत्राचार कार्यालय: आर - 2/608, आरएनए प्लाजा, निकट आरएनए कॉर्पोरेट सेंटर, राम मंदिर रोड, गोरेगांव (प.), मुंबई - 400104

एनसीआर ब्यूरो : 748, वास्टो महागुन मॉडर्न, सेक्टर - 78, नोएडा - 201 305.

लखनऊ ब्यूरो : 101, श्रद्धा विहार कॉलोनी, चिन्हट, लखनऊ - 226 028.

कृपा प्रकाशन प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक कृपाशंकर तिवारी द्वारा विनय ग्राफिक्स, युनिट नम्बर 13, रवि इंडस्ट्रियल प्रेमायसेस, महाकाली केव्स रोड, अन्धेरी (पूर्व), मुंबई - 400093 से मुद्रित एवं आर - 2/608, आरएनए प्लाजा, निकट आरएनए कॉर्पोरेट सेंटर, राम मंदिर रोड, गोरेगांव (प.), मुंबई - 400104 से प्रकाशित।

सम्पादक : आलोक रंजन तिवारी
पंजीकृत कार्यालय: आर - 2/608, आरएनए प्लाजा, निकट आरएनए कॉर्पोरेट सेंटर, राम मंदिर रोड, गोरेगांव (प.), मुंबई - 400104

दूरभाष: 022 -26771428 / 9167404760 / 7800611428
ई-मेल: kst@avmagazine.co.in
वेबसाइट : www.avmagazine.co.in

पत्रिका में प्रकाशित सभी रचनाओं से सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। पत्रिका में प्रदर्शित समस्त पद अवैतनिक हैं। पत्रिका से संबंधित किसी भी विवाद का न्यायिक क्षेत्र मुंबई होगा।

उद्योग
मानवता की प्रतिमूर्ति एवं परोपकारी व्यक्तित्व : डॉ. प्रीति अदानी
पृष्ठ 40

स्वास्थ्य
साल 2021 से स्वस्थ समाज के लिए सीखें मिली हैं
पृष्ठ 58

आन्तरिक

नव वर्ष विशेष
नये साल में न्यायपूर्ण एवं उदार समाज की उम्मीद
पृष्ठ 62

समाचार
यूपी: अर्थव्यवस्था को 10 खरब डॉलर तक ले जाने का लक्ष्य नई सरकार के हवाले
पृष्ठ 68

09 वैश्विक उद्योग जगत के महारथी

विशेष आलेख

18 अदानी समूह का क्रमिक विकास

44 लाखों लोगों की जिन्दगी को खुशहाल बनाता अदानी फाउंडेशन

60 आर्थिक मोर्चे पर कैसा रहा 2021

64 क्रिप्टो 2022

हमारे देश, समाज और संस्कृति के गौरव हैं

गौतम अदानी

आलोक रंजन तिवारी

अदानी समूह के चेयरमैन गौतम अदानी दुनिया के उन बड़े उद्योगपतियों की शीर्ष श्रेणी में आते हैं जिन्होंने अपनी क्षमता – पात्रता और सुयोग्यता के माध्यम से उद्योग जगत में क्रांतिकारी परिवर्तन लाकर समाज को एक नई दिशा प्रदान की है। अदानी समूह के चेयरमैन के रूप में गौतम भाई ने अपनी कम्पनी को व्यावसायिक सफलता की बुलंदियों पर पहुंचा दिया है। गौतम अदानी आर्थिक रूप से जितने सुसमृद्ध हैं, उससे भी अधिक वह व्यावहारिक सरलता और सहजता के मामले में समृद्ध हैं। आज अदानी समूह विश्व की सर्वाधिक प्रभावशाली कंपनियों में से एक है और इस कंपनी को इस मुकाम तक पहुँचाने में गौतम अदानी ने अपनी महती भूमिका का निर्वहन किया है। अपने सदगुण की सुगंध को सेवा से, प्रेम से, सद्भाव से फैलाना, अपनी योग्यता, प्रतिभा, समय, धन, श्रम से देश और समाज को सींचना और सेवा करना ही गौतम अदानी की सर्वोत्कृष्ट पहचान है।

अदानी समूह इस समय एशिया और भारत का दूसरा सबसे बड़ा औद्योगिक समूह है। इसे यहाँ तक पहुँचने में 3 दशक से अधिक समय लगा है। अदानी समूह की 6 सहायक कंपनियों द्वारा लगभग 17 हजार से अधिक लोगों को रोजगार मिल रहा है। इस समूह का प्रत्येक व्यवसाय भारत के विकास में तेजी लाने के उद्देश्य से विश्वस्तरीय बुनियादी ढांचाओं के विकास और क्षमता-निर्माण पर केंद्रित है। अपने प्रत्येक व्यावसायिक क्षेत्र में इस समूह ने भारत में नेतृत्व की स्थिति स्थापित की है। अदानी समूह के सम्पूर्ण व्यावसायिक विकास में सर्वाधिक महत्वपूर्ण भूमिका यदि किसी की है तो वह हैं इस कंपनी के संस्थापक एवं चेयरमैन गौतम अदानी। तमाम उलाहनों और दुष्प्रचार के बावजूद गौतम अदानी अपनी क्षमता, पात्रता और कार्यकुशलता के माध्यम से अदानी समूह को आगे बढ़ाने में जिस तरह निष्ठा के साथ लगे हैं, वह अपने आप में अत्यंत सराहनीय है।

भलाई के साथ विकास को बढ़ावा देने के अपने मूल दर्शन से प्रेरित प्रथम पीढ़ी के उद्यमी गौतम अदानी का राष्ट्र निर्माण के प्रति अपना अलग ही दृष्टिकोण है। जब भारत कोविड-19 से जूझ रहा था तो यही गौतम अदानी थे जिन्होंने पीएम केयर फण्ड में सरकार को 100 करोड़ रुपये दान स्वरूप दिया ताकि इस गंभीर महामारी से निपटने में सरकार को थोड़ी सी आसानी हो।

अदानी समूह अपने सामाजिक दायित्वों का निर्वहन करने के लिए अदानी फाउंडेशन का भी संचालन करता है। इस फाउंडेशन की बागडोर कंपनी के चेयरमैन गौतम अदानी की धर्मपत्नी डॉ. प्रीति अदानी के हाथों में है। प्रीति अदानी के नेतृत्व में अदानी फाउंडेशन द्वारा शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, आजीविका, महिला सशक्तिकरण, गरीबी उन्मूलन और अन्य क्षेत्रों में व्यापक स्तर पर कार्य किया जाता है। देश के कई हिस्सों में स्कूल, कॉलेज, हॉस्पिटल और अन्य चिकित्सा सम्बन्धी इकाइयों का संचालन अदानी फाउंडेशन द्वारा बड़े पैमाने पर किया जा रहा है। इतने बड़े सामाजिक कार्यक्रमों पर अदानी समूह करोड़ों रूपये खर्च करता है ताकि जरूरतमंदों को मदद मिल सके। आज हजारों की तादाद में अदानी द्वारा संचालित विद्यालयों में गरीब और जरूरतमंद छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध हो रही है।

देश के समावेशी विकास और उत्थान में अदानी समूह अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। मेरी दृष्टि में अदानी समूह एक राष्ट्र हितैषी कंपनी है, जिसने हजारों – लाखों लोगों की जिंदगी में सकारात्मक परिवर्तन लाने की शानदार इबारत लिखी है। आज देश में ही नहीं अपितु समूचे विश्व में गौतम अदानी और उनकी कंपनी को हर कोई जानता है। यह सब गौतम अदानी की व्यावसायिक कुशाग्रता, कार्य के प्रति निष्ठा और समर्पण द्वारा ही संभव हो सका है। हम सब को गौतम अदानी पर गर्व करना चाहिए। गौतम अदानी हमारे देश, समाज और संस्कृति के गौरव हैं। गौतम भाई वैश्विक औद्योगिक जगत के कर्णधार के रूप में स्थापित हों, यूँ ही अपनी दूरदर्शिता एवं मेघा शक्ति से औद्योगिक जगत का सफल नेतृत्व करते रहें, मेरी यही शुभकामना है।

◆◆◆

देश के समावेशी विकास और उत्थान में अदानी समूह अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। मेरी दृष्टि में अदानी समूह एक राष्ट्र हितैषी कंपनी है, जिसने हजारों – लाखों लोगों की जिंदगी में सकारात्मक परिवर्तन लाने की शानदार इबारत लिखी है।

GHP GROUP
vision to reality

Empowering a child. Sharpening the mind.

Watch your child climb the ladder of success from the very first step he takes towards building a strong future for himself through the GHP Group. Dedicated to imparting education to every child, the group covers the entire journey of your child's education from nursery to graduation through its well established schools & colleges. Offering world class education, these institutions are well equipped to ensure your child's all round development.

GSBB PRE-SCHOOL, POWAI

GOPAL SHARMA GROUP OF SCHOOLS

Call : 25700315 / 25700789 | E-mail : gsmspowai@gmail.com/ gsispowai@gmail.com | www.ghpeducations.com

GSMS
Gopal Sharma
Memorial School

PEHS
Powai English
High School

GSBB
Gopal Sharma
Blooming Buds Pre-School,
Hiranandani Complex

BVBS
Bal Vishwa Bharati School
& Junior College, Jaipur

CSC
Chandrabhan Sharma College
Arts, Science & Commerce

GSIS
Gopal Sharma
International School

thoughtrains *ghp-010112*

Gopal Sharma Group of Schools, Powai Vihar, Powai, Mumbai – 400 076.

गौतम अदानी
चेयरमैन, अदानी समूह

कृपाशंकर तिवारी
संस्थापक सम्पादक

वैश्विक उद्योग जगत के महारथी

गौतम अदानी

आज अपनी औद्योगिक छत्रछाया में गौतम अदानी हजारों लोगों को रोजगार प्रदान करते हुए जहां लाखों लोगों के लिए सम्मान जनक जीवन यापन हेतु आधार स्तम्भ बने हुए हैं, वहीं राष्ट्रीय – अंतर्राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था को गति तथा समृद्धि प्रदान करते हुए अपना श्रेष्ठ मानवीय कर्तव्य निर्वहन कर ईश्वर द्वारा विनिर्मित इस संसार को सुखमय व खुशहाल बनाने हेतु अपने अनेक जनकल्याणकारी कार्यों के जरिए महान कार्य कर रहे हैं।

इस सृष्टि के आधार स्तम्भ, रचनाकार और सर्व शक्तिमान परम सत्ता अर्थात परमात्मा की लीला अति विचित्र है। इस सृष्टि के संचालन हेतु ईश्वर को कुछ भी नहीं करना पड़ता है, संकल्प मात्र से ही सृष्टि के समस्त कार्य सम्पन्न होते हैं। इस अद्भुत सृष्टि के समस्त कार्यों को मूर्तरूप देने हेतु ईश्वर हमें निमित्त बना कर अपनी लीला को सम्पन्न करते हैं। जैसे एक सूक्ष्म बीज में विराट वृक्ष छिपा होता है, ठीक उसी प्रकार एक साधारण व्यक्ति में भी असाधारण व्यक्तित्व छिपा होता है। अपने नाम के अनुरूप ही गुण (विशेषता) धारण करने वाले गौतम अदानी यथा नामो–तथा गुणो की उक्ति को सार्थकता प्रदान करने वाले विलक्षण प्रतिभा के धनी हैं। गौतम अदानी को आज अपनी दूरदर्शिता, व्यावसायिक पराक्रम, कर्मठता, कुशल व्यावसायिक रणनीति व श्रेष्ठ प्रबन्धकीय गुणों के कारण वैश्विक औद्योगिक जगत के महारथियों में से एक प्रमुख महारथी का शाही रुतबा हासिल है।

एक साधारण व्यक्ति के रूप में जीवन संग्राम में संघर्ष करते हुए असाधारण व्यक्तित्व बने गौतम अदानी स्वभाव से अत्यंत सरल, विनम्र सिद्धांतप्रिय और उदार व्यक्ति हैं। आप स्वयं में आत्म नियंत्रित एवं अन्तर्मुखी स्वभाव के शानदार व्यक्तित्व हैं, बेहतरीन इन्सान हैं। यर्थाथ के धरातल पर जीवन जीने वाले गौतम अदानी गम्भीर प्रकृति के नरम दिल इन्सान हैं किन्तु बनावटी चीजें उन्हें बिल्कुल नहीं पसन्द हैं। अपने इन्हीं महान गुणों के आलोक में गौतम भाई असंख्य लोगों के लिए प्रेरणास्त्रोत बने हुए हैं जो पुरुषार्थ, कर्मठता, लगन और कड़ी मेहनत की पूंजी के सहारे जीवन में महान लक्ष्य प्राप्त करना चाहते हैं।

आज अपनी औद्योगिक छत्रछाया में गौतम अदानी हजारों लोगों को रोजगार प्रदान करते हुए जहां लाखों लोगों के लिए सम्मान जनक जीवन यापन हेतु आधार स्तम्भ बने हुए हैं, वहीं राष्ट्रीय – अंतर्राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था को गति तथा समृद्धि प्रदान करते हुए अपना श्रेष्ठ मानवीय कर्तव्य निर्वहन कर ईश्वर द्वारा विनिर्मित इस संसार को सुखमय व खुशहाल बनाने हेतु अपने अनेक जनकल्याणकारी कार्यों के जरिए महान कार्य कर रहे हैं।

गौतम अदानी भारत के सफल व शीर्षस्थ उद्योगपतियों में महत्वपूर्ण स्थान रखते हैं तथा उन्हें एशिया तथा भारत में दूसरे सबसे बड़े औद्योगिक साम्राज्य के सम्राट का सम्मान व ऐश्वर्य प्राप्त है। गौतम अदानी को वर्तमान में प्राप्त अन्तरराष्ट्रीय औद्योगिक जगत में शानदार स्थिति बहुत सरलता और सहजता से नहीं प्राप्त हुई है। इसे प्राप्त करने में उन्हें बहुत संघर्ष करना पड़ा है, तथा अनेक उलाहनों एवं आरोपों को भी झेलना पड़ा है। गौतम जी का जन्म निम्न मध्यम वर्गीय परिवार में हुआ। घर की आर्थिक स्थिति अच्छी न होने के कारण उन्हें पढ़ाई बीच में ही छोड़नी पड़ी। आज वही गौतम अदानी ईश्वर की कृपा तथा अपने पुरुषार्थ के बल पर वैश्विक औद्योगिक क्षितिज पर दैदीप्यमान नक्षत्र की भांति चमक रहे हैं।

गौतम अदानी, अदानी समूह के संस्थापक तथा अध्यक्ष हैं। आपने

गौतम अदानी भारत ही नहीं अपितु दुनिया के सफल व शीर्षस्थ उद्योगपतियों में महत्वपूर्ण स्थान रखते हैं।

वर्ष 1998 में अदानी समूह की स्थापना किया और अपनी कुशल व्यावसायिक रणनीति तथा बेहतरीन प्रबन्धन के कारण आज अदानी समूह नित नवीन व्यावसायिक बुलंदियों को छू रहा है। अदानी समूह कोयला व्यापार, कोयला खनन, तेल एवं गैस की खोज, बंदरगाहों कमोडिटी, बिजली उत्पादन, कृषि, खाद्य तेल, संचरण और गैस वितरण का व्यापार करता है। अदानी समूह इस समय देश के अनेक हवाई अड्डों के प्रबन्धन का जिम्मा भी संभाल रहा है।

जन्म तथा पारिवारिक पृष्ठभूमि

गौतम अदानी का जन्म 24 जून, 1962 को अहमदाबाद के गुजराती जैन परिवार में हुआ। अदानी जी के पिता श्री. शांतिलाल अदानी आजीविका हेतु थराड़ कस्बे से गुजरात के इस उत्तरी भाग में आकर बस गये थे। गौतम भाई, छः भाई बहन हैं। संघर्ष के दिनों में अदानी परिवार अहमदाबाद स्थित पोल इलाके की शेठ चाल में

गौतम अदानी ने इंटरमीडिएट के बाद गुजरात विश्व विद्यालय में बीकॉम में प्रवेश तो ले लिया किन्तु अर्थाभाव के कारण पढ़ाई बीच में ही छोड़नी पड़ी और आजीविका के लिए संघर्ष करने मुम्बई आ गये।

रहता था। आज अपनी कड़ी मेहनत, लगन और व्यावसायिक कुशलता के कारण गौतम अदानी वैश्विक औद्योगिक जगत में एक शानदार और असरदार उद्योगपति के रूप में सम्मानित हैं, जिन्होंने अदानी समूह को दुनिया के मानचित्र पर एक सफल औद्योगिक समूह के रूप में स्थापित किया है।

जीवन का संघर्ष शुरू हुआ मुम्बई में

जीवन के सम्मानजनक निर्वाह में जब बाधा उत्पन्न होती है, तो समझिये यहीं से जीवन का असली संघर्ष शुरू होता है। दुनिया के अनेक महान लोगों के जीवन में एक समानता अधिकाधिक रूप में पाई जाती है कि, वे जीवन में संघर्षो और कठिनाइयों से अवश्य गुजरे हैं। यह ईश्वरीय विधान प्रतीत होता है कि बिना संघर्ष और कठिनाइयों के कोई महान नहीं बनता। यह प्राकृतिक सिद्धान्त दुनिया के अनेक क्षेत्रों के दिग्गज विभूतियों के निर्माण में महत्वपूर्ण कारक रहा है और इसी महत्वपूर्ण कारक ने गौतम अदानी को भी एक बड़े उद्योगपति के रूप में स्थापित किया।

गौतम अदानी ने इंटरमीडिएट के बाद गुजरात विश्व विद्यालय में बीकॉम में प्रवेश तो ले लिया किन्तु अर्थाभाव के कारण पढ़ाई बीच में ही छोड़नी पड़ी और आजीविका के लिए संघर्ष करने मुम्बई आ गये। उस समय गौतम अदानी की किशोरावस्था थी, उम्र 17-18 वर्ष। पास में कुछ रुपये थे। अपने पुरुषार्थ और संघर्ष से अपने भाग्य का निर्माण करने वाले गौतम अदानी परिवार को आर्थिक तंगी से निकालने हेतु तथा अपने जीवन के सपनों को साकार करने हेतु जीवन संग्राम में उतर गये और मुम्बई के हिन्द्रा ब्रदर्स में तीन सौ रुपये प्रति माह की नौकरी करने लगे। उनके पिता श्री. शांतिलाल अदानी जी, गौतमभाई के निर्णय से प्रसन्न नहीं थे किन्तु अपनी लगन के पक्के गौतम जी ने वही किया जो उन्हें उचित लगा। गौतम भाई अपने सपनों को साकार करने के लिए संघर्ष हेतु खुद को आन्तरिक रूप से तैयार कर चुके थे और कदम आगे बढ़ने लगे। वे 300 रु. महीने की नौकरी करने के लिए नहीं पैदा हुए थे। उन्होंने 20 वर्ष की उम्र में अर्थात् 2 वर्ष बाद ही डायमंड सार्टर के रूप में शुरुआत की और कुछ वर्षों के पश्चात् मुम्बई स्थित झवेरी बाजार में स्वयं

की डायमंड ब्रोकरेज फर्म शुरू कर दिया।

उनके श्रेष्ठ कर्म को भाग्य का भी अच्छा सहयोग मिला और प्रथम वर्ष में ही कम्पनी ने लाखों का टर्न ओवर किया। इसके बाद भाई श्री मनसुख लाल के कहने पर वह (मुम्बई में कुछ वर्ष व्यतीत करने के बाद) अपने भाई की प्लास्टिक फैक्ट्री में काम करने के लिए वापस अहमदाबाद आ गये।

यहाँ गौतम जी ने पी.वी.सी. अर्थात् पालिविनाइल क्लोराइड का इम्पोर्ट शुरू करने का निर्णय लिया और ग्लोबल ट्रेडिंग में प्रवेश किया। यहाँ उल्लेखनीय है कि, प्लास्टिक निर्माण में पी.वी.सी. का व्यापक रूप से उपयोग होता है।

अदानी समूह की स्थापना

प्लास्टिक व्यवसाय से पूंजी इकठ्ठी होने के बाद सन् 1988 ई. में गौतम जी ने अदानी एक्सपोर्ट लिमिटेड की स्थापना की। यह कम्पनी पॉवर तथा कमोडिटीज के क्षेत्र में कार्यरत हो गयी। शनैः – शनैः एक्सपोर्ट का व्यवसाय गतिशील होता गया और उन्होंने पोर्ट सहित अनेक कारोबार शुरू किये तो सब में सफलता मिलती गयी।

इस सफलता का श्रेय गौतम अदानी की इस दूरदर्शिता, मेहनत, कुशल रणनीति के साथ–साथ ईश्वर को देना ज्यादा उचित होगा।

पी.वी.सी. के आयात में बढ़ोत्तरी होती रही और वर्ष 1988 में अदानी समूह पॉवर तथा एग्री कमोडिटी में अधिकाधिक रूप से सुस्थापित हो गया।

वर्ष, 1991 अदानी समूह के लिए क्रांतिकारी रूप से परिवर्तनकारी सिद्ध हुआ। 1991 में हुए आर्थिक सुधारों के कारण अदानी का कारोबार शीघ्र ही डायवर्सिफाई हुआ और एक मल्टीनेशनल बिजनेस मैन बन गये। वर्ष, 1995 अदानी के लिए अत्यंत लाभप्रद रहा । उसी समय उनकी कम्पनी को मुंद्रा पोर्ट के संचालन का कान्ट्रैक्ट मिला था। गौतम अदानी ने अपने कारोबार में विविधता को जारी रखा तथा 1996 में अदानी पॉवर लिमिटेड की स्थापना हुई। दस वर्ष पश्चात् कम्पनी पॉवर जनरेशन के कारोबार में भी उतरी।

इस समय गौतम अदानी का कारोबार अनेक क्षेत्रों में विस्तारित है। आप कोयला खनन के क्षेत्र में सबसे बड़े कॉन्ट्रैक्ट माइनर के रूप में स्थापित हैं और उनके पास देश का सबसे एफिशिएंट कोल बेस्ड पॉवर प्लांट भी है। मुन्द्रा बंदरगाह के माध्यम से पोर्ट सेक्टर में उनकी दमदार उपस्थिति तो दर्ज हो ही गयी थी। उनकी नजर सीमेंट का कारखाना लगाने से लेकर इन्फ्रास्ट्रक्चर क्षेत्र में रोड कन्स्ट्रक्शन, डिफेंस प्रोडक्शन और रेलवे पर गयी। उन्होंने अपनी 6-7 छोटी–छोटी रेलवे लाईनों को कंसोलिडेट कर एक रेलवे ट्रैक प्रबंधन कम्पनी पहले ही बना ली।

क्रांतिकारी परिवर्तन

लगभग साढ़े तीन दशक के व्यावसायिक अनुभवशील गौतम अदानी अपने परिवार के पहले उद्योगपति हैं। उनके बचपन के मित्र मलय महादेविया हैं, जिनके साथ गौतम जी अहमदाबाद शहर में स्कूटर पर बैठकर घूमते थे। मलय महादेविया जी अब अदानी समूह के साथ अदानी पोर्ट और सेज लिमिटेड में डाइरेक्टर के रूप में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। ब्लूमबर्ग बिलेनियर इंडेक्स के अनुसार इस समय गौतम अदानी तकरीबन 67.6 अरब डॉलर की विपुल सम्पत्ति के स्वामी हैं। उनके पास देश की सबसे बड़ी निर्यात कम्पनी है। गौतम अदानी के पास खुद का ब्रीच क्राफ्ट और हॉकर जेट भी है । विगत दिनों गौतम अदानी ने उत्तर प्रदेश में 35,000/- करोड़ के भारी निवेश की घोषणा की।

कठिनाइयाँ भी कम नही रहीं

गौतम जी के समक्ष अनेक कठिनाईयाँ भी आईं लेकिन उन्होंने अपने विवेक, धैर्य और आत्मबल के सहारे सदैव उन पर विजय पाई।

एक बार 90 के दशक में फिरौती के लिए गौतम

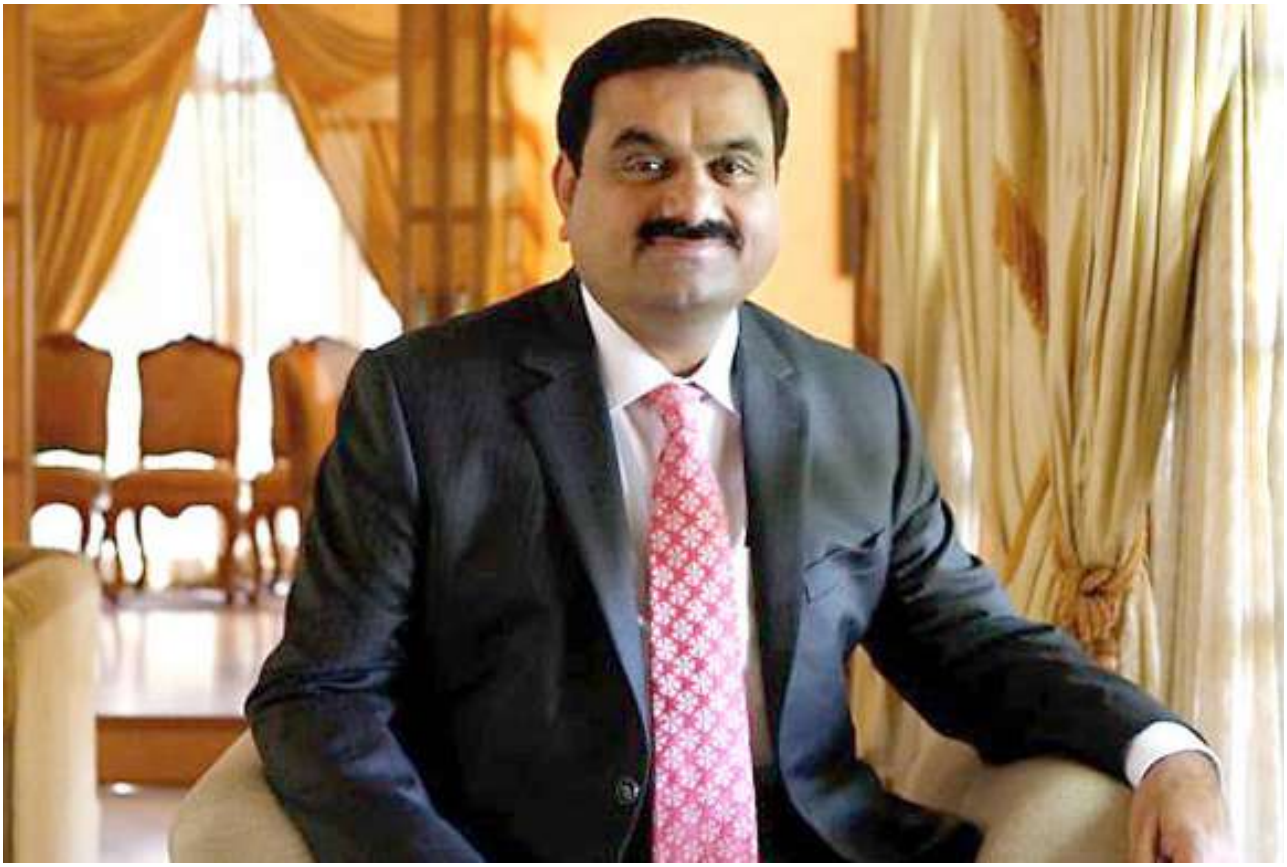

अदानी को अपहृत भी किया गया था। इसलिए, उनकी सुरक्षा व्यवस्था अब काफी सुदृढ़ रहती है। एक और बड़े संकट से गौतम अदानी का सामना हुआ था, जब 26 नवम्बर 2008 को मुम्बई में आतंकवादी हमला हुआ था। ताजमहल होटल पर भी आंतकवादी हमला हुआ था और गौतम अदानी उस समय ताजमहल होटल में ही थे। भगवान की कृपा से गौतम भाई सुरक्षित रहे और आज औद्योगिक जगत में एक प्रकाश पुंज बनकर असंख्य जनों के लिए मार्गदर्शक बने हुए हैं।

खुद के बल पर औद्योगिक जगत की दिग्गज हस्ती बने गौतम जी

गौतम अदानी शुरू से ही एक प्रतिमा सम्पन्न एवं अंतर्मुखी व्यक्ति रहे हैं। वह किसी भी कार्य की व्यवस्थित रुपरेखा तैयार कर, उसे एक प्रभावी रणनीति के माध्यम से पूरा करने में विश्वास रखते हैं। गौतम अदानी एक धैर्यवान और आत्मविश्वास से परिपूर्ण व्यक्तित्व के स्वामी हैं। उनके गगनचुम्बी उत्थान में उनकी तीव्र बुद्धि, कुशल रणनीति और आत्मविश्वास का विशेष योगदान है। गौतम अदानी ने स्वयं के बल पर अन्तर्राष्ट्रीय औद्योगिक जगत में अपनी कामयाबी का परचम लहराया है। भगवान की कृपा और गौतम भाई की दूरदृष्टि, पुरुषार्थ तथा महत्वाकांक्षी योजनाओं की ही देन है कि जो गौतम भाई घर की माली हालत ठीक न होने के कारण अपनी ग्रेजुएशन की पढ़ाई छोड़कर मामूली सी नौकरी करने लगे थे, वही आज हजारों लोगों को रोजगार देकर एक महान कार्य कर रहे हैं।

“गौतम अदानी एक धैर्यवान और आत्मविश्वास से परिपूर्ण व्यक्तित्व के स्वामी हैं। उनके गगनचुम्बी उत्थान में उनकी तीव्र बुद्धि, कुशल रणनीति और आत्मविश्वास का विशेष योगदान है।

देश-दुनिया के रईसों में एक प्रतिष्ठित नाम बन चुके गौतम भाई अदानी ने अपनी व्यावसायिक यात्रा मारुति-800 से शुरू की थी और आज उनके व्यावसायिक पराक्रम का ही प्रभाव है कि अनके पास बी.एम.डब्ल्यू गाडियों का एक बहुत बड़ा बेड़ा है, हेलीकॉप्टर, चार्टर्ड प्लेन और ब्रीच क्राफ्ट विमान आदि हैं।

विदेशों में विस्तारित कारोबार

दुनिया के अनेक देशों में अदानी समूह का कारोबार फैला हुआ है। 2010 में अदानी के इंडोनेशिया में माइनिंग के कारोबार का श्री गणेश किया और 2011 में ऑस्ट्रेलिया के अबॉट पॉइंट कोल टर्मिनल को 2.72 अरब डॉलर में अदानी समूह ने खरीदा है। गत एक वर्ष में कोविड की वैश्विक संकटपूर्ण स्थिति के बावजूद अधिग्रहणों और बुनियादी ढांचे वाली परियोजनाओं के कारण

आपकी व्यावसायिक किस्मत रंग लाई और आपने लंबी छलांग लगाई तथा परिणाम स्वरूप अदानी समूह की आधा दर्जन कम्पनियाँ मार्केट रेट के हिसाब से भारत की 100 सबसे ज्यादा वैल्यू वाली कम्पनियों में सम्मिलित हो गयीं। वर्ष 2020-21 अदानी समूह के लिए काफी अच्छा रहा। इस दौरान गौतम अदानी ने अनेक बंदरगाहों, एयर पोर्ट्स, डेटा सेन्टर्स, सोलर पी.वी. मैन्युफैक्चरिंग, पॉवर एण्ड कोल जनरेशन कैपेसिटी आदि को अपनी कम्पनी के एस्टेट में जोड़ा। उपरोक्त पर या तो अदानी समूह का प्रत्यक्ष स्वामित्व है या फिर समूह की कम्पनियों द्वारा इनका प्रबंधन किया जाता है।

मशहूर फार्च्यून ब्राँड के उत्पादन

वर्ष 1999 में अदानी समूह ने विलमर – इन्टरनेशनल के साथ एक संयुक्त उपक्रम स्थापित किया जिसके माध्यम से एम.एम.जी.सी. (फास्ट मूविंग कन्जयूमर फुडस्) का कारोबार किया जाता है। यह देश की तीव्र गति से आगे बढ़ती फूड एफ. एम. जी. सी. कम्पनियों में प्रमुख स्थान रखती है। इसके अन्तर्गत फार्च्यून ब्राँड के अनेक उत्पादों का कारोबार किया जाता है।

रिन्यूएबल सेक्टर की सबसे बड़ी डील

पिछले दिनों अदानी ग्रीन एनर्जी, जो कि अदानी समूह की कम्पनी है के द्वारा जापान के सॉफ्ट बैंक और भारत के भारती समूह से एक बड़ी डील की गई। इसके अन्तर्गत एस.बी. एनर्जी पोर्टफोलियो में 4,954 मेगावाट की क्षमता जुड़ जायेगी। यह डील 3.5 अरब अमेरिकी डॉलर (लगभग २५,५०० करोड़ रुपये) का है।

समस्त महाजन

बेजुबान प्राणियों का सहजन

Trust Regd. No. E/15474 (Ahmedabad)

समस्त महाजन, ३०७, राजशीला बिल्डिंग, ५९७, जे. एस. एस. रोड, चीरा बाजार, मुंबई - ४०० ००२. ☎ २२०६ ०३९० ✆ ९८२०० २०९७६

samastmahajan9@gmail.com www.samastmahajan.org

samast.mahajan samastmahajan goo.gl/wxNnQG

जीवदया योजना

मूक जीवों को राहत पहुँचाने, पशुओं को गोद लेने, गौशाला/पांजरापोलों के मददगार बनने के साथ-साथ सभी जीवों के कल्याण में भागीदार बनें।

क्र. संख्या	योजना	योगदान
१	गौशाला/पांजरापोल में शेड/गोडाउन का निर्माण	२५ लाख रुपये
२	हवाड़ा/गमान का निर्माण	२ लाख रुपये
३	एक ट्रक घास-चारा	२० हजार रुपये
४	एक पशु को एक वर्ष के लिए गोद लेना	१२ हजार रुपये

ग्रामोद्धार योजना

देश के साढ़े छह लाख गाँवों के विकास हेतु गोचरभूमि की व्यवस्था, वर्षाजल का संग्रहण तथा देशी वृक्षों का वृक्षारोपण आवश्यक है। गोचरभूमि को विकसित करने, वर्षाजल का संग्रह करने, तालाबों-नहरों आदि का पुनरुद्धार करके खेतों की पथरीली भूमि को उर्वर बनाने जैसे कार्य जरूरी हैं। गावों में बरगद, पीपल, आम, इमली, नीम, हरडे, बहेड़ा, आँवला, शमी, बेल, गूलड़, जामुन, करंज, बकुल, अर्जुन आदि वृक्षों को लगाना आवश्यक है। ग्रामोद्धार की इस पावन योजना को अमल में लाने के लिए एक गाँव के लिए १० लाख रुपये खर्च होने का अनुमान है।

क्र. संख्या	योजना	योगदान
१	एक गाँव में जल-संचय, वृक्षारोपण तथा गोचरभूमि की स्वच्छता के लिए स्वीकृत राशि	१० लाख रुपये

गोचर, तालाब, देशी वृक्ष आदि मूक जावों के लिए जीवनाधार हैं।

दानवीरों से इस सुकृत का लाभ लेने हेतु विनती

• समस्त महाजन को दिये जाने वाले दान आयकर की धारा 80(G) के अंतर्गत करमुक्ति के योग्य है। • समस्त महाजन को IICA (इंडियन इन्स्टीट्यूट ऑफ कॉर्पोरेट अफेयर्स) में CSR NGO भागीदारी के रूप में मान्यता प्राप्त है। • I A HUB code - A 000308 • BSE SAMMAAN के द्वारा मान्यता प्राप्त है। • FCRA के अंतर्गत विदेशी दान स्वीकार करने के लिए समस्त महाजन को भारत सरकार से अनुमति प्राप्त है। • कृपया अपना चेक "SAMAST MAHAJAN" के नाम से लिखें।

WITH BEST COMPLIMENTS

FROM A
WELL WISHER

अदानी का सात एयरपोर्ट पर नियंत्रण

अदानी समूह का अहमदाबाद, गुवाहाटी, तिरुअनंतपुरम्, मंगलुरु, जयपुर और लखनऊ एयरपोर्ट पर नियंत्रण है। उपरोक्त एयरपोर्ट के संचालन हेतु बड़ी बोली लगाकर गौतम अदानी बड़ी लीग में सम्मिलित हुए। मुम्बई के इंटरनेशनल एयरपोर्ट में अदानी समूह की 74% भागीदारी है। यह भागीदारी अदानी समूह ने जी. वी. के एयरपोर्ट डेव्हलपर्स से खरीदी है।

25 नवम्बर, 1994 को अदानी इंटर प्राइजेज के शेयर बीएसई में लिस्ट हुए। उस दिन कम्पनी के शेयर बी.एस.ई. पर 360 रुपये पर खुले और 375 पर बंद हुआ। उस दिन कम्पनी के शेयर ने 400 रुपये का उच्च स्तर और 360 रुपये का निम्न स्तर देखा। यहाँ उल्लेखनीय है कि विश्व के मुश्किल कारोबारी वातावरण के बावजूद अदानी समूह ने 2019-20 में विश्व के बाजारों में 4.26 अरब डॉलर (31,098 करोड़ रुपये) के कुल सात ब्रांड सफलता के साथ पर प्रस्तुत किए।

गौतम अदानी की सफलता का मूल मंत्र

यह घटना 1990 की है। अदानी समूह के एक कर्मचारी ने सुगर ट्रेडिंग के सम्बध में एक गलत निर्णय ले लिया, जिसके परिणाम स्वरूप कम्पनी को 20 करोड़ रुपये की हानि हुई। स्वयं को नौकरी से हटाए जाने के भय से सम्बधित कर्मचारी ने अपनी गलती के लिए सबसे पहले गौतम जी से क्षमा याचना किया और अपना त्यागपत्र दे दिया। उस समय गौतम अदानी ने कर्मचारी के त्यागपत्र को फाड़ कर फेंक दिया और मुस्कुराते हुए कहा मुझे पता है कि आप को इस घटना से जो शिक्षा प्राप्त हुई है, उससे आप भविष्य में ऐसी गलती फिर कभी नहीं करेंगे। तो ऐसी स्थिति में मैं आपके अगले नियोक्ता को आपकी इस शिक्षा का लाभ क्यों उठाने दूँ, जब कि इसके लिए हानि तो मैने उठाया है। इतने दूरदर्शी और धैर्यवान हैं गौतम भाई अदानी। उनकी इस सोच की गहराई में ही उनकी सफलता तथा सम्पूर्ण विश्व में उनके औद्योगिक साम्राज्य के मूर्तरूप लेने की प्रबल सम्भावना का बीज मंत्र छिपा हुआ है।

◆◆◆

> **“ गौतम अदानी की दूरदर्शी सोच की गहराई में ही उनकी सफलता तथा सम्पूर्ण विश्व में उनके औद्योगिक साम्राज्य के मूर्तरूप लेने की प्रबल सम्भावना का बीज मंत्र छिपा हुआ है।**

अदानी समूह का क्रमिक विकास

प्रस्तुतिः टीम अभ्युदय वात्सल्यम्

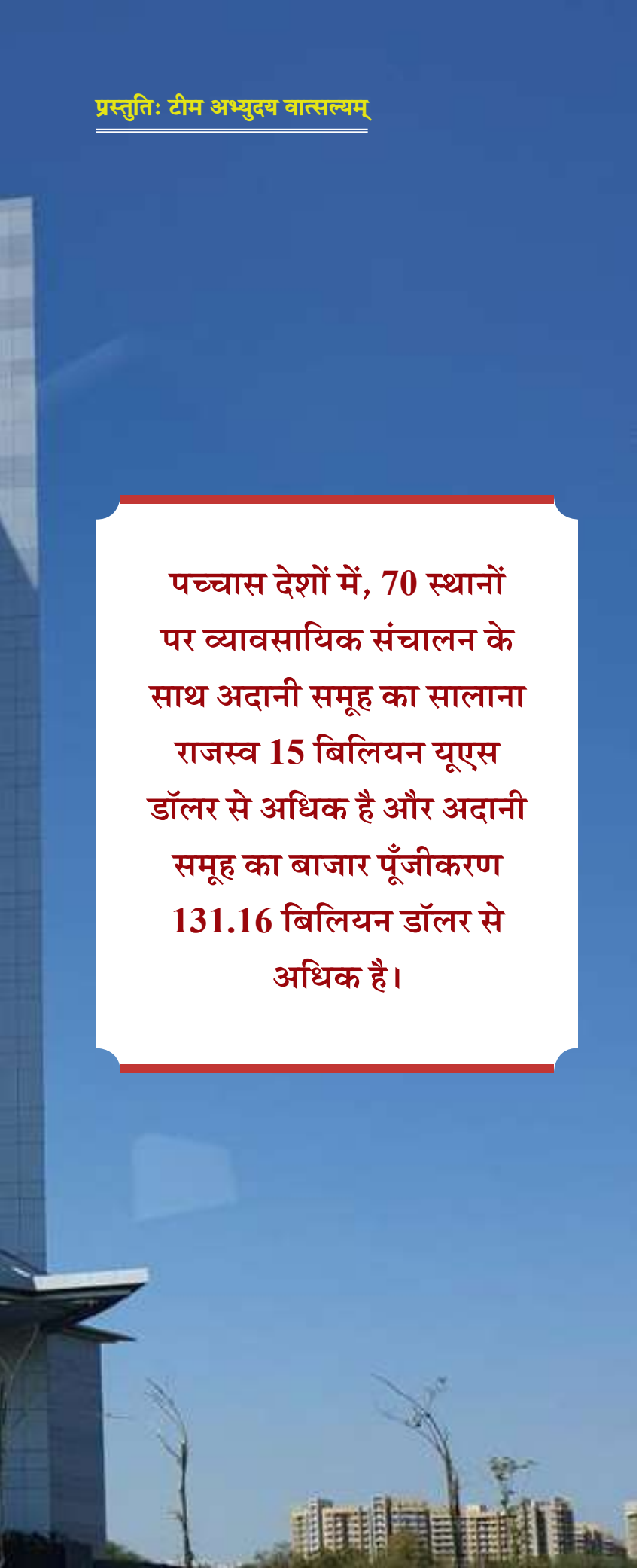

पच्चास देशों में, 70 स्थानों पर व्यावसायिक संचालन के साथ अदानी समूह का सालाना राजस्व 15 बिलियन यूएस डॉलर से अधिक है और अदानी समूह का बाजार पूँजीकरण 131.16 बिलियन डॉलर से अधिक है।

अदानी समूह एक भारतीय बहुराष्ट्रीय समूह है, जिसका हेड क्वार्टर अहमदाबाद, गुजरात में स्थित है। 1988 में गौतम अदानी ने इसकी स्थापना की थी। इसकी स्थापना प्रमुख कम्पनी अदानी इंटरप्राइजेज लि. (अदानी एक्सपोर्टस् लिमिटेड) के साथ एक कमोडिटी ट्रेनिंग व्यवसाय के रूप में की थी। अदानी समूह के अनेक व्यवसायों में ऊर्जा, संसाधन, कमोडिटी, कृषि व्यवसाय, रियल स्टेट, वित्तीय सेवाएं, रक्षा और एयरो–स्पेस का समावेश है। पच्चास देशों में, 70 स्थानों पर व्यावसायिक संचालन के साथ अदानी समूह का सालाना राजस्व 15 बिलियन यूएस डॉलर से अधिक है और अदानी समूह का बाजार पूँजीकरण 131.16 बिलियन डॉलर से अधिक है। अदानी समूह मुंद्रा पोर्ट सहित दस बंदरगाहों और टर्मिनलों के साथ भारत का सबसे बड़ा बंदरगाह विकासकर्ता और ऑपरेटर है। सिंगापुर में विलमर इंटरनेशनल के साथ एक ज्वाइंट वेन्चर के माध्यम से अदानी समूह भारत के सबसे बड़े खाद्य तेल ब्राँड फार्च्यून ऑइल का सह स्वामी है।

अप्रैल, 2014 में अदानी समूह के साथ तिरोडा थर्मल पॉवर स्टेशन में 660 मेगावाट की चौथी युनिट के जुड़ जाने से अदानी पॉवर भारत का सबसे बड़ा विद्युत उत्पादक बन गया।

द ब्राँड ट्रस्ट रिपोर्ट, 2015 के द्वारा अदानी को भारत का सर्वाधिक भरोसेमंद बुनियादी ढाँचा ब्राँड का दर्जा प्रदान किया गया। अदानी समूह द्वारा भारत, इंडोनेशिया और ऑस्ट्रेलिया में खदानों का संचालन किया जाता है। अदानी समूह द्वारा बांग्लादेश, चीन तथा दक्षिण पूर्व एशिया के देशों को कोयले की आपूर्ति भी की जाती है। 2018 के जनवरी महीने में अदानी समूह की कमोडिटी और एस.ई.जेड. शाखा, अदानी पोर्टस् एण्ड एस.ई.जेड ने भारत में सबसे बड़ा ड्रेजर बेड़ा बनने के लिए उपकरणें और मशीनरी को जोड़ा। यह समूह भारत में हाई वोल्टेज डी. सी. बनाने वाला भी पहला समूह है। 2012 में सिस्टम शुरु हुआ है। 1988 में एक कमोडिटी ट्रेडिंग फर्म के रूप में अदानी समूह ने अपनी शुरूआत की।

1980 में अपने व्यापारिक कार्यों को आधार प्रदान करने के क्रम में अदानी समूह द्वारा मुंद्रा में अपना बंदरगाह विकासित किया गया। 1995 में मुंद्रा में

इसका निर्माण प्रारंभ हुआ। 1998 में यह बंदरगाह शीर्ष स्तर पर विदेशी मुद्रा अर्जित करने वाला बंदगाह बन गया। 1999 में कम्पनी द्वारा कोयला व्यवसाय शुरू किया गया तथा 2000 में अदानी विलमर के संयुक्त उद्यम के माध्यम से खाद्य तेल शोधन शुरू किया गया।

अदानी समूह का दूसरा चरण बुनियादी ढाँचे की सम्पत्ति के निर्माण के साथ आरंभ हुआ। सपत्ति द्वारा देश और विदेश में बंदरगाहों, बिजली संयंत्रों, खानों, जहाजों और रेलवे लाइनों का एक पोर्ट फोलियो स्थापित किया गया। समूह ने 2002 में मुंद्रा में 4 मिलियन टन कार्गो संभाला और इस प्रकार मुंद्रा भारत का सबसे बड़ा निजी बंदरगाह बन गया। वर्ष 2006 में कम्पनी 11 मैट्रिक टन कोयले की हैण्डलिंग के साथ भारत में सबसे बड़ी कोयला आयातक बन गयी। इसके बाद वर्ष 2008 में कम्पनी ने इंडोनेशिया में बुन्यू माइन को खरीदा और अपने कारोबार को विस्तारित किया, जिसमें 180 मीटरिक टन कोयला भंडार है। वर्ष 2009 कम्पनी द्वारा 330 मेगावाट थर्मल पॉवर का उत्पादन शुरू किया गया। इसने भारत में 2.2 मिलियन टन प्रतिवर्ष की खाद्य, तेल शोधन क्षमता का निर्माण किया।

इस प्रकार अदानी इंटर प्राइजेज 60 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी के साथ कायले का आयात करने वाला भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक घराना हो गया। कम्पनी एनटीपीसी को भी कोयले की आपूर्ति करती है। सम्प्रति, अदानी समूह भारत की सबसे बड़ी कोयला खनन कम्पनी है।

अदानी समूह को यह स्थिति 2010 में उड़ीसा खदान के अधिकार प्राप्त करने के बाद हासिल हुई। 2011 में दहेज बंदरगाह पर संचालन प्रारम्भ हुआ और बाद में इसकी क्षमता में वृद्धि के बाद यह 20 मीटरिक टन हो गयी।

कम्पनी द्वारा 10.4 गीगा टन कायेला भण्डार के साथ ऑस्ट्रेलिया में गैलीन बेसिन खदान भी खरीदा गया। इसने मुंद्रा में कोयला आयात टर्मिनल के लिए 60 एम.टी. की हैण्डलिंग क्षमता को भी चालू किया, जिसके परिणाम स्वरूप यह दुनिया का सबसे बड़ा बंदरगाह बन गया। इसके अतिरिक्त इसी वर्ष अदानी समूह ने आस्ट्रेलिया में एबॉट पॉइंट पोर्ट भी खरीदा, जिसमें 50 एम. टी. हैण्डलिंग कैपेसिटी थी। इसने 40 मेगावाट क्षमता के साथ भारत का सबसे बड़ा सौर ऊर्जा संयंत्र चालू किया।

जैसे ही कंपनी ने 3960 मेगावॉट क्षमता प्राप्त की, यह भारत में निजी क्षेत्र की सबसे बड़ी ताप विद्युत उत्पादक बन गयी।

2012 में कंपनी ने अपना ध्यान तीन प्रमुख व्यावसायिक विन्दुओं पर केंद्रित करते हुए संसाधनों, कमोडिटी और उर्जा को प्रमुखता दी। समूह ने ऑस्ट्रेलिया में 50 (एम.टी.) हैण्डलिंग क्षमता के साथ एबॉट पाइंट पोर्ट भी खरीदा। इसने 40 मेगावाट क्षमता के साथ भारत का सबसे बड़ा सौर ऊर्जा संयंत्र चालू किया। जैसे ही फर्म ने 3960 मेगावाट क्षमता हासिल की, यह भारत में निजी क्षेत्र की सबसे बड़ी ताप विद्युत उत्पादक बन गयी। अदानी पॉवर 2014-2020 में भारत के सबसे बड़े निजी बिजली उत्पादक के रूप में स्थापित हो गया।

अदानी पॉवर की मूल स्थापित क्षमता 9280 मेगावाट थी। मुंद्रा पोर्ट, अदानी पोर्ट्स एण्ड एस. ई. जेड लिमिटेड (ए. पी. एस. ई जेड.) ने वित्तीय वर्ष 2013-14 में 100 मिलियन टन का संचालन किया। उसी वर्ष 16 मई को अदानी पोर्ट्स ने

अदानी इंटर प्राइजेज 60 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी के साथ कायले का आयात करने वाला भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक घराना हो गया। कम्पनी एनटीपीसी को भी कोयले की आपूर्ति करती है।

भारत के पूर्वी तट पर धामरा पोर्ट को 5,500 करोड रुपये में अधिग्रहित किया। धामरा पोर्ट, टाटा स्टील और एल. एंड. टी.इंन्फ्रास्ट्रक्चर डेव्हलपमेंट प्रोजेक्टस की आधी–आधी भागीदारी का उद्यम था, जिसे अब अदानी पोर्ट्स ने अधिग्रहित कर लिया है। मई 2011 में कार्गो का परिचालन शुरु हुआ और वर्ष 2013-14 में 14.03 एमटी के कुल कार्गो को संभाला, धामरा पोर्ट के अधिग्रहण के साथ समूह वर्ष 2020 तक 200 मीटरिक टन से अधिक की क्षमता बढ़ाने की योजना में सफल रहा।

सन 2015 में अदानी समूह के अदानी अक्षय ऊर्जा पार्क ने राजस्थान सरकार के साथ 10,000/- मेगावॉट की क्षमता के साथ भारत का सबसे बड़ा सौर पार्क स्थापित करने के लिए 50:50 संयुक्त उद्यम के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किये। नवम्बर, 2015 में अदानी समूह ने केरल में विझिंजम बंदरगाह पर निर्माण शुरु किया। 2016 में अदानी एयरो डिफेंस ने भारत में मानव रहित विमान प्रणाली (यु.ए.एस.) के क्षेत्र में काम करने हेतु एलिबिट – आई. एस. टी. आर. और अल्फा डिजाइन टेक्नोलॉजी के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किये। अदानी इंटरप्राइजेज ने सौर निर्माण पर काम प्रारम्भ करने हेतु गुजरात सरकार से स्वीकृति प्राप्त की। सितम्बर, 2016 में अदानी समूह की नवीकरणीय शाखा, अदानी ग्रीन एनर्जी (तमिलनाडु) ने तमिलनाडु के रामनाथपुरम में कामुथी में 648 मेगावॉट की क्षमता के साथ 4,550 करोड़ रूपये की अनुमानित लागत पर परिचालन शुरू किया। इसी माह में समूह ने 648 मेगावॉट के एक एकल स्थान वाले सौर ऊर्जा संयंत्र का उद्घाटन किया। अपनी स्थापना के समय यह दुनिया का सबसे बड़ा सौर ऊर्जा संयंत्र था। दिसम्बर महीने में अदानी समूह ने पंजाब के सबसे बड़े 100 मेगावॉट के सौर ऊर्जा संयंत्र का भटिंडा में उद्घाटन किया।

2017 में अदानी समूह द्वारा 18,800 करोड़ रुपये में रिलायंस इन्फ्रास्ट्रक्चर की पॉवर शाखा का अधिग्रहण किया गया। अदानी समूह की सहायक कम्पानियाँ।

अदानी एंटरप्राइजेज

अदानी एंटरप्राइजेज अदानी समूह की प्रमुख सहायक और प्राथमिक होल्डिंग कम्पनियों में से एक है। यह कम्पनी ऊर्जा तथा बुनियादी ढाँचे के क्षेत्र में अन्य नवीन व्यवसाय स्थापित करने पर ध्यान केन्द्रित करती है। यह एक इन्क्यूबेटर के तौर पर कार्य करती है, जो अवसरों को सम्पन्न या सफल व्यवसायों में तब्दील करती है। अदानी एंटरप्राइजेज की मौजूदगी विभिन्न उद्योगों में है और यह एक मार्केट लीडर के रूप में स्थापित होने की दिशा में अग्रसर है। कम्पनी की तीन सहायक कम्पनियां हैं, जो इस प्रकार हैं। अदानी विलमर, अदानी एयरपोर्ट होल्डिंग्स और अदानी रोड ट्रान्सपोर्ट । कम्पनी इतनी कामयाब है कि इसे मुम्बई स्टॉक एक्सचेंज और द नेशनल स्टॉ क एक्सचेंज ऑफ इण्डिया में लिस्ट किया गया है। 1994 में अपनी स्थापना तथा सूचीबद्ध होने के बाद अब तक कम्पनी ने 22,909 करोड़ रूपये के मार्केट कैप तक की एक सुदीर्घ यात्रा की है।

अब तक ए.पी.एस.ई. जेड, अदानी पॉवर, अदानी ट्रान्समिशन , अदानी ग्रीन एनर्जी और अदानी गैस जैसी कम्पनियां भारतीय स्टॉक एक्सचेंज में स्वतंत्र रूप से सूचीबध्द होने के लिए अदानी एंटरप्राइजेज से पृथक हो चुकी हैं।

कम्पनी का उद्देश्य सतत मूल्य प्रदान करना, हितधारकों के लिए अधिकतम रिटर्न तथा राष्ट्र निर्माण की गतिविधियों में सहायता प्रदान करना है। अदानी एंटरप्राइजेज का विजन हवाई अड्डे, पानी, सड़कों डेटा सेंटर तथा सौर विनिर्माण के लिए बुनियादी ढाँचे का निर्माण करने और एक स्थाई मूल्य सृजित करना है।

अदानी पोर्ट्स एंड एस. ई. जेड

अदानी पोर्ट्स एंड. एस. ई. जेड (ए. पी. एस. ई. जेड.) को भारत में सबसे बड़े वाणिज्यिक बंदरगाह ऑपरेटर के रूप में स्थिति और प्रसिद्धि प्राप्त है। क्योंकि, यह भारत में होने वाले कार्गो परिवहन के एक चौथाई से अधिक के लिए उत्तरदायी है। अदानी पोर्ट्स एंड. एस. ई. जेड को मूलत: मुंद्रा पोर्ट् और स्पेशल इकोनॉमिक जोन लि. के रूप में जाता था 2012 में जब तक इसे बदल नहीं दिया गया। कम्पनी ने मुंद्रा पोर्ट में अपना परिचालन शुरू किया और आज 10 बंदरगाहों तक विस्तार हो गया है। आज अदानी पोर्ट्स एण्ड एस. ई. जेड. (ए.पी.ई. जेड.) देश की सबसे बड़ी निजी बंदरगाह कम्पनी और विशेष आर्थिक क्षेत्र है। कम्पनी का कुशल नेतृत्व ए.पी.एस.ई. जेड के सी.ई.ओ. श्री करण अदानी करते हैं। कम्पनी के

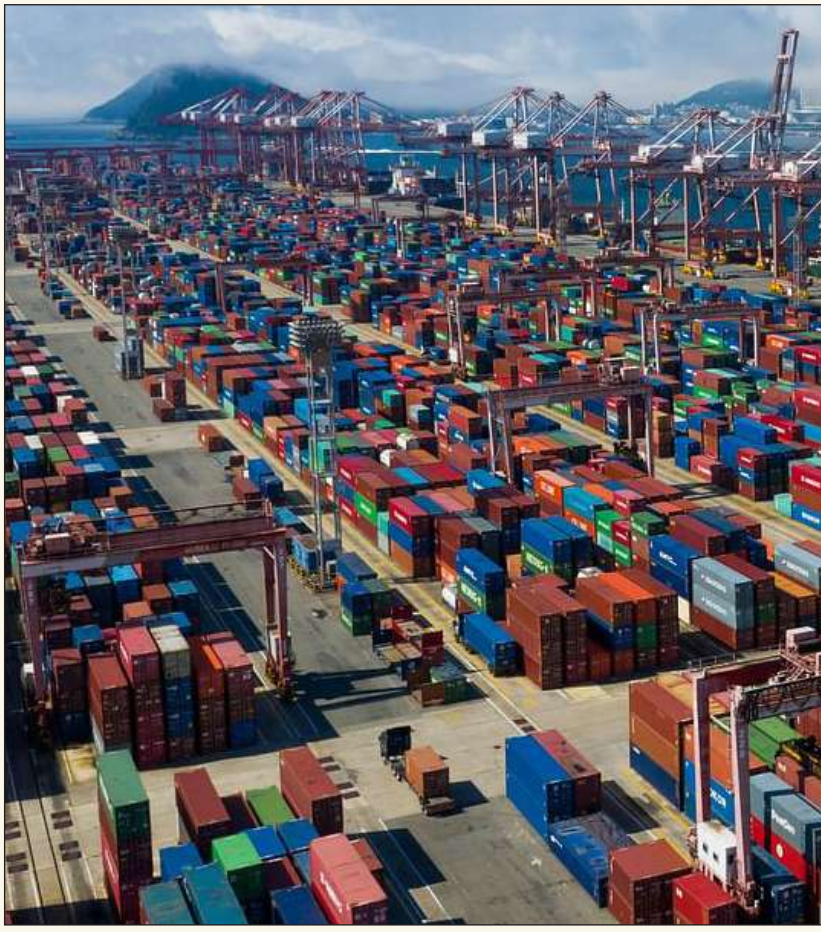

संचालन के दायरे में पोर्ट प्रबंधन, कमोडिटी और विशेष आर्थिक क्षेत्र आते हैं। कम्पनी मुंद्रा, दहेज और हजीरा, गुजरात, धामरा, ओडिशा, कट्टुपल्ली, तमिलनाडु विझिंगम तथा केरल बंदरगाह पर काम करती है। इसके अतिरिक्त अदानी समूह द्वारा मोरमुगाओ, एन्नोर विशाखापट्टनम् तथा कांडला बंदरगाहों

पर टर्मिनलों को प्रबंधन किया जाता है। शुरुआत में कमोडिटी शाखा को मुंद्रा पोर्ट इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कम्पनी, गुजरात सरकार और अदानी पोर्ट के एक संयुक्त उद्यम के माध्यम से आगे बढ़ाया गया। 1998 में कम्पनी द्वारा मुंद्रा बंदरगाह का परिचालन शुरू किया गया।

अदानी पोर्ट्स एंड. एस. ई. जेड को भारत में सबसे बड़े वाणिज्यिक बंदरगाह ऑपरेटर के रूप में स्थिति और प्रसिद्धि प्राप्त है। क्योंकि, यह भारत में होने वाले कार्गो परिवहन के एक चौथाई से अधिक के लिए उत्तरदायी है।

2001 के फरवरी महीने में गुजरात सरकार तथा गुजरात मैरीटाइम बोर्ड के साथ एक रियायती समझौते के तहत अदानी समूह को कच्छ क्षेत्र में नैवीनल द्वीप स्थित मुंद्रा बंदरगाह को संचालित व विकसित करने हेतु 30 वर्ष के लिए अधिकार प्रदान किया गया। अगस्त, 2020 में मुद्रा पोर्ट जवाहरलाल नेहरु पोर्ट को पछाड़कर भारत का सबसे बड़ा कंटेनर पोर्ट बन गया।

मुंद्रा बंदरगाह

मुंद्रा बंदरगाह को देश के सबसे बड़े निजी बंदरगाह का सम्मान प्राप्त है। इस बंदरगाह पर अदानी समूह का स्वामित्व है। यह बंदरगाह सूखे, तरल और कच्चे माल से लेकर कंटनरों तक विविध कार्गो को संभालने के लिए पूर्णतया सुसज्जित है। मुंद्रा एस.ई.जेड. विशाल 8000 हेक्टेयर क्षेत्र में विस्तारित है जो इसे भारत का सबसे बड़ा बंदरगाह परिचालन तथा अधिसूचित बहु–उत्पादन एस. ई. जेड के रूप में स्थापित करता है, जो भारत में मुक्त व्यापार और वेयर हाऊसिंग क्षेत्र तथा घरेलू औद्योगिक क्षेत्र जैसे निवेश विकल्प देता है। यह बड़े पैमाने पर उद्योगों को विभिन्न उद्योगों हेतु समूह आधारित विकास के आधार पर निर्माण सेट अप के लिए भी सहायता देता है, सहयोग करता है। ए. पी. एस. ई. जेड द्वारा पर्यावरण की सुरक्षा हेतु मैंग्रोव वनीकरण गतिविधियां भी आरम्भ की गयी हैं। 2016 में ए. पी. एस. ई. जेड द्वारा यह भी घोषणा की गयी कि सभी बंदरगाहों तथा टाऊनशिप को शत प्रतिशत नवीकरण ऊर्जा पर चलाने हेतु तैयार किया जा रहा है।

अदानी पॉवर

वर्ष,1996 में अदानी पॉवर की स्थापना हुई। अदानी पॉवर, अदानी समूह की एक अन्य प्रमुख व्यापारिक सहायक कम्पनी है। अदानी पॉवर का मुख्यालय अहमदाबाद, गुजरात में स्थित है तथा इसे देश में सबसे बड़े निजी ताप विद्युत उत्पादक के रूप मे प्रसिद्धि प्राप्त है। देश के अनेक राज्यों यथा–गुजरात, महाराष्ट्र, कर्नाटक, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में थर्मल प्लांट हैं और इसकी विद्युत उत्पादन कैपेसिटी 12,450 मेगावॉट है। गुजरात स्थित कच्छ में 40 मेगावॉट का एक विशाल सौर संयंत्र भी इसके द्वारा संचालित किया जाता है। कम्पनी देश में विद्युत परियोजनाओं का विकास और रखरखाव करती है। कम्पनी की सम्पूर्ण भारत वर्ष में चार ताप विद्युत परियोजनाओं के साथ 10,440 मेगावॉट की संयुक्त स्थापित क्षमता है। कम्पनी द्वारा अन्य सहायक कम्पनियां चलाई जाती हैं, जो इस प्रकार हैं:–

- अदानी पॉवर महाराष्ट्र लिमिटेड
- अदानी पॉवर राजस्थान लिमिटेड
- अदानी पॉवर दहेज लिमिटेड
- मुंद्रा पॉवर एस. ई. जेड लिमिटेड
- अदानी पॉवर (ओवरसीज) लिमिटेड

2014 में अदानी पॉवर ने टाटा पॉवर को पीछे कर दिया और देश की सबसे बड़ी विद्युत उत्पादक कम्पनी बन गयी। गुजरात स्थित मुंद्रा में अदानी पावर लि. के थर्मल पॉवर प्लांट का तृतीय चरण संयुक्त राष्ट्र फ्रेम वर्क कन्वेंशन ऑन क्लाईमेट चेंज (यू. एन. एफ. सी. सी.) से कार्बन क्रेडिट प्राप्त करने वाला विश्व का प्रथम कोयला आधारित संयंत्र है। कर्नाटक सरकार द्वारा अदानी पॉवर के उडुपी पॉवर प्लांट को पॉवर अवॉर्ड से सम्मानित किया गया है।

यह भारतीय कम्पनी क्योटो प्रोटोकॉल के स्वच्छ विकास तंत्र (सी. डी. एम.) के अन्तर्गत पंजीकृत कोयला आधारित ताप विद्युत परियोजना स्थापित करने वाली विश्व की भी प्रथम कम्पनी है। कम्पनी द्वारा झारखंड स्थित गोड्डा में 1,600 मेगावॉट का संयंत्र लगाने की योजना को मूर्तरूप देने का प्रयत्न किया जा रहा है।

“2014 में अदानी पॉवर ने टाटा पॉवर को पीछे कर दिया और देश की सबसे बड़ी विद्युत उत्पादक कम्पनी बन गयी।”

अदानी ट्रांसमिशन

2006 में अदानी ट्रांसमिशन लि. की स्थापना के पूर्व ही पारेषण उद्योग (ट्रांसमिशन उद्योग) में अदानी की यात्रा आरम्भ हो चुकी थी। वर्ष 2013 से एकीकृत कम्पनी इलेक्ट्रिक पावर ट्रांन्समिशन सिस्टम के कमीशन, संचालन और रखरखाव को संभालती है। अदानी ट्रांसमिशन लि. की सम्पूर्ण ट्रांसमिशन क्षमता 16,200 मेगावॉट है तथा सम्प्रति, यह भारत में निजी क्षेत्र की सबसे बड़ी पारेषण कम्पनियों में से एक है। 2020 तक कम्पनी 12,200 सर्किट किलोमीटर के कुल नेटवर्क का संचालन करती है और अतिरिक्त 3,200 सर्किट किलोमीटर निर्माण के विभिन्न चरणों में है। गौतम अदानी द्वारा स्थापित अदानी ट्रांसमिशन का मुख्यालय अहमदाबाद,

गुजरात में है। यह कम्पनी मुम्बई में रिलायंस इन्फ्रास्ट्रक्चर के पॉवर जनरेशन ट्रांसमिशन और डिस्ट्रिब्यूशन कारोबार के अधिग्रहण के साथ 2018 में वितरण के क्षेत्र में आई।

अदानी ट्रांसमिशन के अन्तर्गत काम करने वाली अदानी इलेक्ट्रिकसिटी मुम्बई लि. इस समय मुम्बई में 30 लाख से अधिक ग्राहकों की विद्युत आवश्यकताओं की सम्पूर्ति करती है।

कम्पनी का लक्ष्य जैविक तथा अकार्बनिक विकास के अवसरों की सहायता से 2022 तक 20,000 सर्किट किलोमीटर ट्रांसमिशन लाइनें स्थापित करना है। यह इंटरनैशनल इन्वेस्टमेंट ग्रेड रेटिंग प्राप्त करने वाला भारत का प्रथम निजी विद्युत क्षेत्र का प्लेयर है।

अदानी ग्रीन एनर्जी

अदानी ग्रीन एनर्जी अदानी समूह की अक्षय ऊर्जा शाखा है, जिसके पोर्टफोलियो में 5,290 मेगावॉट पवन और सौर ऊर्जा संयंत्र शामिल है। अदानी की यह सहायक कम्पनी 13,990 मेगावॉट की वर्तमान परियोजना पोर्टफोलियो के साथ देश की सबसे बड़ी नवीकरणीय कम्पनियों में से एक है। अदानी ग्रीन एनर्जी सौर और पवन कृषि परियोजनाओं के विकास, संचालन, निर्माण और रखरखाव के लिए जानी जाती है। उत्पादित विद्युत आपूर्ति केन्द्र और राज्य सरकार के संस्थानों और यहाँ तक कि सरकार समर्पित निगमों को भी की जाती है। कम्पनी का विस्तार देश के 11 से अधिक राज्यों में हो चुका है।

कम्पनी द्वारा अपनी परियोजनाओं में नवीनतम तकनीकों का इस्तेमाल किया जाता है। कम्पनी के पास 54 परिचालन परियोजनाओं और निर्माणाधीन 12 परियोजनाओं का असरदार पोर्टफोलियो है। कम्पनी अपनी अक्षय ऊर्जा यात्रा में भारत का नेतृत्व कर रही है और इसका उद्देश्य देश के लिए एक स्वच्छ, बेहतर और हरित भविष्य प्रदान करना है। यह कम्पनी विश्व के सबसे बड़े सौर फोटोवोल्टिक संयंत्रों में से एक (कामुथी सौर ऊर्जा परियोजना) का संचालन करती है।

यहाँ उल्लेखनीय है कि अदानी ग्रीन एनर्जी की 39 से अधिक सहायक कम्पनियाँ भी हैं और इसने भारतीय सौर ऊर्जा निगम द्वारा 46 बिलियन की विश्व की सबसे बड़ी सौर बोली जीती है। यह कम्पनी 5,290 मेगावॉट से ज्यादा पवन ऊर्जा और सौर ऊर्जा संयत्रों का प्रबंधन करने के लिए जानी जाती है।

रिन्युएबल क्षेत्र का सबसे बड़ा सौदा

दो वर्षों से भी कम समय में अदानी समूह ने देश के सात हवाई अड्डे के प्रबन्धन का गुरुत्तर दायित्व संभाला है। इस प्रकार समूह का भारत के तकरीबन 25 प्रतिशत हवाई यातायात पर नियंत्रण स्थापित हो गया है।

अदानी ग्रीन एनर्जी द्वारा 2025 तक अपनी अक्षय ऊर्जा क्षमता को लगभग 8 गुना बढ़ाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। कम्पनी ने रिन्युएबल क्षेत्र के इतिहास का सबसे बड़ा सौदा भी किया। कम्पनी ने एस. बी. एनर्जी को लगभग 26,000 करोड़ में खरीदने की डील की। इस अधिग्रहण के साथ अदानी ग्रीन की सम्पूर्ण क्षमता 24,300 मेगावॉट हो गयी है।

अदानी विलमर

अदानी विलमर को अदानी समूह तथा सिंगापुर की कम्पनी विलमर इंटरनैशनल के मध्य एक संयुक्त उद्यम से बनाया गया है। सम्प्रति, विलमर भारत के तीव्र गति से विस्तार लेती और बढ़ती खाद्य एफ. एम. जी. सी. कम्पनियों में से एक है तथा एशिया महाद्वीप का अग्रणी कृषि व्यवसाय समूह है। कम्पनी के पास सरसों, सन, सोया, चावल की भूसी, मूगफली और बिनैला जैसे खाद्य तेलों की सबसे बड़ी रेंज है। तेल के अतिरिक्त यह बासमती चावल, दालें, बेसन, फॉर्च्यून, गेहूँ का आटा, सोया चंक्स, रवा, सूजी जैसे उत्पाद का निर्माण भी करती है। ये सभी उत्पाद भारत में लोकप्रिय और प्रसिद्ध हैं। फॉर्च्यून, किंग्स, बुलेट, राग, अवसर, पिलाफ, जुबली, फ्रायोला, अल्फा, अलाइफ और आधार जैसे ब्राँड अदानी विलमर के अन्तर्गत काम करते हैं।

भारत में सभी ब्राँडेड खाद्य तेल प्लेयर्स में कम्पनी का सबसे बड़ा डिस्ट्रीब्यूशन नेटवर्क है। क्योंकि, सम्पूर्ण देश में इसके 95 से अधिक स्टॉक पाइंट, 5000 वितरक, 1.5 मिलियन आउटलेट हैं। अदानी विलमर मध्य-पूर्व को अपना खाद्य तेल विक्री करने के बाद अन्तराष्ट्रीय स्तर पर सफल हो गयी है और इस समय मध्य-पूर्व, दक्षिण-पूर्व एशिया, पूर्वी अफ्रीका, सिंगापुर, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड सहित 19 से अधिक देशों में अपने उत्पादों का निर्यात कर रही है।

अदानी गैस लिमिटेड

यह अदानी की सहायक एक शहरी गैस वितरण कम्पनी है जो मुख्यत: देश के विभिन्न राज्यों में औद्योगिक कम्पनियों और आवासीय ग्राहकों को सेवा प्रदान करती है। वर्तमान में अदानी गैस और भारत में वाणिज्यिक, घरेलू और औद्योगिक कम्पनियों को प्राइप्ड प्राकृतिक गैस की आपूर्ति हेतु सिटी गैस वितरण नेटवर्क का इस्तेमाल करती है। कम्पनी द्वारा परिवहन क्षेत्र को संपीड़ित प्राकृतिक गैस भी प्रदान की जाती है।

अहमदाबाद, बड़ोदरा, फरीदाबाद तथा उत्तर प्रदेश कै खुर्जा जैसे शहरों में अदानी गैस ने सिटी गैस वितरण नेटवर्क स्थापित किया है। प्राकृतिक गैस सर्वथा पर्यावरण के अनुकूल है तथा सुविधाजनक और विश्वसनीय भी है। यह उपभोक्ता को उच्च स्तरीय सुरक्षा, सुविधा तथा आर्थिक प्रदक्षता का आनन्द लेने की अनुमति प्रदान करती है।

खेलों में पहल

खेलों को प्रोत्साहित करने में अदानी समूह ने महत्वपूर्ण कार्य किया है। रियो ओलम्पिक हेतु एथलीटों को तैयार करने के लिए आरम्भ किया गया गर्व है, भारत में खेलों को बढ़ावा देने और एथलीटों का समर्थन करने के लिए एक राष्ट्रव्यापी कार्यक्रम है।

2021 में टोक्यो ओलंम्पिक, 2022 में एशियाई खेलों तथा राष्ट्र मंडल खेलों के लिए एथलीटों को तैयार करने के लिए इसे दूसरी

बार फिर से लांच किया गया है। यह कार्यक्रम तीरंदाजी, शूटिंग, एथलेटिक्स, मुक्केबाजी और कुश्ती पर केन्द्रित है। वर्ष 2016 में **गर्व है** पायलट प्रोजेक्ट के लाभार्थियों में अंकिता रैना (टेनिस), शिवा थापा (मुक्केबाजी), खुशबीर कौर (एथलेटिक्स), इन्द्रजीत सिंह (एथलेटिक्स), मनदीप जांगड़ा (मुक्केबाजी), मलाइका गोयल (शूटिंग), दीपक पुनिया (कुश्ती), केटी इरफान (रेसवाकिंग) और संजीवनी जाधव (एथलेटिक्स) शामिल हैं। छत्तीसगढ़ में सरगुजा फुटबॉल अकादमी की स्थापन समूह की एक और महत्पूर्ण पहल है। अब तक सरगुजा के 11 खिलाड़ियों को राष्ट्रीय भारतीय फुटबॉल टीम के लिए चुना गया है जो एक बड़ी उपलब्धि है।

पुरस्कार और मान्यताएं

अदानी पोर्ट्स एण्ड स्पेशल इकोनॉमिक जोन (ए.पी.एस.ई. जेड) लि. ने इकोनॉमिक टाइम अवॉर्ड में 2014 की इमर्जिंग कम्पनी का पुरस्कार प्राप्त किया।

जनवरी 2018 में अदानी समूह का एक प्रभाग, अदानी ग्रीन एनर्जी लि. ग्रीन टेक मीडिया की बाजार विश्लेषण और परामर्श शाखा जी. टी. एस. रिसर्च द्वारा सौर ऊर्जा डेवलपर्स की वैश्विक शीर्ष 15 की सूची में प्रवृष्ट हुआ।

इंडियाज कंटेनर पोर्ट ऑफ द इयर 2016 : अदानी पोर्ट्स एण्ड एसईजेड (एपीएसई जेड) को मुम्बई में यह सम्मानजनक पुरस्कार प्राप्त हुआ। समूह के बंदरगाह विकासकर्ता तथा कमोडिटी शाखा को अखिल भारतीय समुद्री और कमोडिटी पुरस्कार (माला) के 7 वें संस्करण में सम्मानित किया गया।

गैर-प्रमुख बंदरगाह अवॉर्ड - 2015 : अदानी पोर्ट्स एण्ड स्पेशल इकोनॉमिक जोन (ए. पी. एस. ई. जेड) लि. ने ऑल टाईम मैरीटाईम एण्ड लॉजिस्टिक द्वारा अवॉर्ड जीता।

लोक कल्याण

गुजरात अदानी इन्स्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइसेंज द्वारा संस्थापित भुज में 750 बिस्तरों वाला जीके जनरल अस्पताल हजारों जरूरतमंदों को उपचार प्रदान करता है। फाउण्डेशन द्वारा बड़ा ग्राम पंचायत के गावों में विकास कार्य आरम्भ किये गये हैं।

अदानी फाउण्डेशन द्वारा 42 गावों में विस्तारित 4000 एकड़ खेत में चावल गहनता प्रणाली लागू की गई तथा 2,000 से भी ज्यादा कृषकों को शक्ति प्रदान की गयी, सशक्त बनाया गया।

विशेष

श्री. गौतम अदानी जी अदानी समूह के संस्थापक तथा सी. ई. ओ. हैं। अदानी जी के मार्गदर्शन तथा कुशल नेतृत्व में यह समूह अंतरराष्ट्रीय औद्योगिक जगत में नित नवकीर्तिमान स्थापित कर समूह को और अधिक उच्चता प्रदान करने हेतु सतत प्रयत्नशील है। सम्प्रति, अदानी समूह संसाधनों, कमोडिटी तथा ऊर्जा कार्य क्षेत्र में रुचि के साथ एक वैश्विक एकीकृत बुनियादी ढांचा प्लेयर के रूप में स्वंय को स्थापित करने हेतु अग्रसर है।

ऊर्जा, संसाधन, लॉजिस्टिक और कृषि जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में व्यवसाय संचालन की दृष्टि से अदानी समूह एक नेता के रूप में स्थापित है। समूह की सहायक कम्पनियों - अदानी गैस लिमिटेड, अदानी विलमर,अदानी ग्रीन एनर्जी लि., अदानी ट्रांसमिशन लिमिटेड, अदानी पावर लिमिटेड, अदानी पोर्ट्स् और विशेष आर्थिक क्षेत्र लिमिटेड, अदानी एंटरप्राइज लिमिटेड हैं।

विगत तीन दशकों में अदानी समूह ने ऊर्जा, संसाधन, कमोडिटी, कोयला व्यापार, खनन रियल इस्टेट, एयरोस्पेश, सार्वजनिक परिवहन अवसंरचना, उपभोक्ता, वित्त, सौर विनिर्माण, रक्षा, गैस वितरण और कृषि जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में स्वयं को वैश्विक नेतृत्व के रूप में स्थापित करने के लिए विकास गति कायम रखा है। कम्पनी ने सभी क्षेत्रों में विश्व स्तरीय मानकों को भी बेंचमार्क किया है। कम्पनी अपनी अनेक सफल सहायक कम्पनियों के कारण अब तक कामयाब रही है और भविष्य में भी सफलता की पुनरावृत्ति करते हुए और अधिक ऊचाईयों को प्राप्त करती रहेगी।

वास्तव में, अदानी समूह ने अपने औद्योगिक विकास क्रम को जारी रखते हुए देश सेवा के काम को भी सदैव महत्व दिया है। अभी देश - दुनिया ने देखा कि, कोविड - 19 महामारी के दौरान गौतम अदानी ने ऑक्सीजन की अपूर्ति कर किस प्रकार मानवता की सेवा करने हेतु आगे आये और उन्होंने अपनी राष्ट्रसेवी भूमिका में लोगों की सेवा की।

◆◆◆

उत्कृष्ट चिंतन एवं सजल संवेदना से परिपूर्ण व्यक्तित्व

राजेश अदानी
प्रबन्ध निदेशक, अदानी समूह

श्री राजेश अदानी शुरुआत से ही अदानी समूह का एक महत्वपूर्ण हिस्सा रहे हैं। मजबूत नेतृत्व और पारस्परिक कौशल के साथ वे समूह के संचालन और इसके व्यावसायिक संबंधों को विकसित करने के लिए उत्तरदायी हैं। व्यवसाय के प्रति उनके सक्रिय एवं व्यक्तिगत दृष्टिकोण और उनकी प्रतिस्पर्धी भावना ने समूह और इसके विविध व्यवसायों के विकास में बहुत योगदान दिया है। वे वर्तमान में अदानी समूह के ऊर्जा सम्बन्धी व्यवसाय की खासतौर पर अगुवायी करते हैं।

राजेश अदानी एक कर्मठ, ऊर्जावान और दूरदृष्टि सम्पन्न व्यक्तित्व हैं, जिनकी सुयोग्यता का लाभ अदानी समूह को मिल रहा है। राजेश अदानी का व्यक्तित्व ऐसा दिव्य प्रकाश है जिसके मूल में उत्कृष्ट चिंतन और सजल संवेदना है, विचारों की अलौकिक आभा है और उनके व्यक्तित्व में स्वतंत्र सत्ता, आत्म योग्यता, प्रभाव उत्पादकता, श्रेष्ठता व उत्कृष्ट चरित्र एवं चिंतन का सुंदर समावेश है। राजेश अदानी का उत्कृष्ट चिंतन ही उनके व्यक्तित्व को प्रखर बनाता है और सरस भावनाएँ एवं संवेदनाएँ इसे भावपूर्ण बनाती हैं। कॉर्पोरेट भागीदारी राष्ट्र के सतत विकास के लिए अत्यधिक महत्वपूर्ण है और एक कॉर्पोरेट नागरिक के रूप में वह राष्ट्र और समाज की बेहतरी के लिए अदानी समूह के विभिन्न योजनाओं, उपक्रमों और कार्यक्रमों के माध्यम से अप्रतिम कार्य कर रहे हैं।

राजेश अदानी का व्यक्तित्व ऐसा दिव्य प्रकाश है जिसके मूल में उत्कृष्ट चिंतन और सजल संवेदना है, विचारों की अलौकिक आभा है और उनके व्यक्तित्व में स्वतंत्र सत्ता, आत्म योग्यता, प्रभाव उत्पादकता, श्रेष्ठता व उत्कृष्ट चरित्र एवं चिंतन का सुंदर समावेश है।

कुशल व्यावसायिक रणनीतिकार

प्रणव अदानी
प्रबंध निदेशक (एग्रो, ऑयल एवं गैस)

प्रणव अदानी अत्यंत सरल, सहज और विनम्र व्यक्तित्व के परिचायक हैं। उन्होंने अपनी उत्कृष्ट कार्यकुशलता और कार्य के प्रति अद्भुत समर्पण के माध्यम से उद्योग जगत में काफी नाम और सम्मान कमाया है।

प्रणव अदानी, अदानी समूह के प्रबंध निदेशक (एग्रो, ओयल एवं गैस) और अदानी एंटरप्राइजेज के निदेशक हैं। प्रणव शहरी गैस वितरण, एग्रो, रियल एस्टेट और प्राकृतिक संसाधन जैसे व्यवसायों के विविध पोट्फोलियो का नेतृत्व करते हैं।

प्रणव अदानी ने 1999 में अदानी विल्मर लिमिटेड के साथ अपनी औद्योगिक यात्रा की शुरूआत की, जिसका प्रमुख खाद्य ब्रांड **फॉर्च्यून** भारत के खाद्य तेल सेग्मेंट में 20% से अधिक बाजार हिस्सेदारी रखती है। भारत की खाद्य सुरक्षा और किसानों के सशक्तिकरण के प्रबल समर्थक होने के नाते, उनकी दूरदृष्टि ने अदानी एग्री लॉजिस्टिक्स और अदानी एग्री फ्रेश के साथ कृषि क्षेत्र में इस समूह की सशक्त उपस्थिति को सक्षम बनाया।

श्री अदानी ने अदानी गैस लिमिटेड को भारत के निजी क्षेत्र की सबसे बड़ी सूचीबद्ध शहरी गैस वितरण कंपनी के रूप में स्थापित होने के लिए पुष्पित और पल्लवित किया। भारत की 8% आबादी का प्रतिनिधित्व करते हुए करीब 38 क्षेत्रों की जरूरतों को पूरा करने हेतु अदानी गैस लिमिटेड ने इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन और फ्रांस एनर्जी प्रमुख टोटल के साथ रणनीतिक संयुक्त उद्यम भी किया है।

प्रणव भाई अदानी समूह के रियल्टी व्यवसाय अदानी रियल्टी के भी कर्ता-धर्ता हैं, जिनकी गुजरात, महाराष्ट्र और एनसीआर में सशक्त उपस्थिति देखी जा सकती है। समूह के स्तर पर, वे ब्रांड अदानी के मुख्य संरक्षक के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। श्री अदानी, बोस्टन विश्वविद्यालय से बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन में विज्ञान स्नातक के अलावा हार्वर्ड बिजनेस स्कूल के अध्यक्ष प्रबंधन कार्यक्रम के पूर्व छात्र भी हैं। 2009 में, प्रणव अदानी को **ग्लोबोयल मैन ऑफ द ईयर** पुरस्कार से सम्मानित किया गया। उच्च शिक्षित श्री प्रणव अदानी व्यवसाय की बारीकियों को भलीभांति समझने वाले एक कर्तव्यनिष्ठ तथा संवेदनशील व्यक्तित्व हैं। किसी भी कार्य को सफलतापूर्वक मूर्तरूप देना उनकी सबसे बड़ी विशेषता है।

करण अदानी
सीईओ, अदानी पोर्ट्स एंड एसईजेड लिमिटेड

दूरदृष्टि सम्पन्न योजनाकार

करण अदानी, अदानी पोर्ट्स एंड एसईजेड लिमिटेड (APSEZ) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी हैं। वह वर्तमान में अपने ग्राहकों के लिए मूल्यवर्धन के उद्देश्य से एक एकीकृत लॉजिस्टिक कंपनी बनाने के लिए अदानी पोर्ट्स एंड एसईजेड लिमिटेड में आवश्यक रूपांतरण का नेतृत्व कर रहे हैं।

पर्ड्यू यूनिवर्सिटी, यूएसए से अर्थशास्त्र में स्नातक की शिक्षा पूर्ण करने वाले करण वैश्विक दृष्टिकोण के साथ तकनीकी दक्षता रखते हैं और व्यवसाय के सभी क्षेत्रों में उच्चतम मानक स्थापित करने में विश्वास करते हैं। उन्होंने अदानी पोर्ट्स एंड एसईजेड लिमिटेड की विकास रणनीति को सफलतापूर्वक आगे बढ़या है, जिसके परिणामस्वरूप शुरुआत के दो बंदरगाहों की तुलना में दस बंदरगाहों और टर्मिनलों तक इसका तेजी से विस्तार हुआ है।

करण बहुत ही कर्मठ, दूरदृष्टि सम्पन्न योजनाकार और रणनीतिकार हैं। प्रबन्धन के उच्च गुणों से परिपूर्ण उनका व्यक्तित्व अदानी समूह की प्रगति में उत्तोत्तर सहायक है।

सुयोग्य एवं कर्मठ व्यक्तित्व

डॉ मलय महादेविया 1992 में अदानी समूह में शामिल हुए और मुंद्रा बंदरगाह को अवधारणात्मक स्तर से लेकर प्रवर्तन के स्तर तक विकसित करने पर काम किया। डॉ. महादेविया को अहमदाबाद मैनेजमेंट एसोसिएशन द्वारा वर्ष 2002 में वर्ष के उत्कृष्ट प्रबंधक से सम्मानित किया गया है। 2008 में, उन्हें मुंद्रा क्षेत्र के आसपास तटीय पारिस्थितिकी विषय के क्षेत्र में गुजरात विश्वविद्यालय द्वारा पीएचडी की डिग्री प्रदान की गयी। वे कई पेशेवर निकायों के सदस्य भी हैं जिनमे सेंटर फॉर इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (CEPT), फेडरेशन ऑफ इंडियन चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (FICCI), द एसोसिएटेड चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री ऑफ इंडिया (ASSOCHAM), बोर्ड ऑफ एडवाइजर्स फॉर मैरीटाइम स्टडीज इन गुजरात यूनिवर्सिटी,भारतीय उद्योग परिसंघ (CII) और गुजरात चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (GCCI) प्रमुख हैं। अदानी ग्रुप में शामिल होने से पहले वे गवर्नमेंट डेंटल कॉलेज, अहमदाबाद में सहायक प्राध्यापक के रूप में सेवारत थे। मलय बहुत ही अनुभवशील और सुशिक्षित व्यक्तित्व हैं। उनकी सुयोग्ता तथा कर्मठता समूह को आगे बढ़ाने में सतत उपयोगी है।

मलय महादेविया
पूर्णकालिक निदेशक - APSEZ, CEO - AAHL

रचनात्मक एवं युवा व्यक्तित्व

जीत अदानी
वाइस प्रेसिडेंट, ग्रुप फाइनेंस

बेहद ही कम समय में जीत कंपनी के वित्तीय मामलों को समझने में सफल हुए हैं। वित्तीय रणनीति को मूर्त रूप देने के उद्देश्य से ही उन्हें अदानी समूह के मुख्य वित्तीय अधिकारी के साथ जोड़ा गया है। जीत अदानी में सीखने की एक ललक है और अदानी समूह के इस युवा लीडरशिप से कम्पनी को बहुत उम्मीदें हैं।

जीत

अदानी 2019 में पेंसिल्वेनिया विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड एप्लाइड साइंसेज से अपनी शिक्षा पूर्ण करने के बाद अदानी समूह में शामिल हो गए। उन्होंने रणनीतिक वित्त, पूंजी बाजार और जोखिम और शासन नीति संबंधी कार्यों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के उद्देश्य से ग्रुप सीएफओ के कार्यालय में अपने करियर की शुरुआत की। जीत की इस भूमिका में अदानी समूह के सभी सूचीबद्ध कार्यक्षेत्रों के साथ काम करना शामिल है। जीत अदानी एयरपोर्ट्स बिजनेस के साथ-साथ अदानी डिजिटल लैब्स का भी नेतृत्व कर रहे हैं। यह कंपनी अदानी ग्रुप बिजनेस के सभी उपभोक्ताओं को सेवा प्रदान करने के लिए एक सुपर ऐप बनाने के लिए तैयार है।

कुशल एवं प्रभावशाली नेतृत्व

अनिल सरदाना
एमडी और सीईओ, अदानी ट्रांसमिशन लिमिटेड, एमडी - थर्मल पावर

औद्योगिक जगत में सुविशाल अनुभव प्राप्त श्री सरदाना बहुत ही दूरदर्शी और कर्मठ व्यक्तित्व हैं।

दिल्ली विश्वविद्यालय से इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में स्नातक, आईसीडब्ल्यूएआई के पूर्व छात्र और प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा धारक, श्री अनिल सरदाना का अकादमिक करियर उतना ही विविध है जितना कि पावर प्लांट, ईपीसी व्यवसाय, कोल वाशरीज, पावर ट्रांसमिशन, रिटेल पावर डिस्ट्रीब्यूशन और टेलीकॉम क्षेत्र के बुनियादी ढांचागत संरचना में उनका विशाल अनुभव।

वे विभिन्न भूमिकाओं में उद्योग मंचों के जाने माने हस्तियों में शुमार भी रहे हैं। जैसे कि CII के पावर और बिजनेस की राष्ट्रीय समिति और संयुक्त राष्ट्र महिला के व्यापार सलाहकार बोर्ड के अध्यक्ष। 2018 में अदानी समूह में शामिल होने से पहले, उन्होंने अपने लगभग चार दशकों के कैरियर में एनटीपीसी (14 वर्ष),बीएसईएस और टाटा समूह (16 वर्ष) में प्रमुख पदों पर कार्य किया है।

औद्योगिक जगत में सुविशाल अनुभव प्राप्त श्री सरदाना बहुत ही दूरदर्शी और कर्मठ व्यक्तित्व हैं। विविध संस्थानों की सेवाओं से प्राप्त अनुभव तथा उनकी कार्य के प्रति निष्ठा, समूह की प्रगति में निश्चित रूप से सहायक है।

वनीत जैन
एमडी और सीईओ, अदानी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड

गुणवत्तापूर्ण कार्य के प्रति दृढ़ निश्चयी

वनीत जैन अदानी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड के प्रबंध निदेशक और सीईओ हैं। वह अदानी ग्रुप के साथ 15 साल से अधिक समय से जुड़े हुए हैं। अपने कार्यकाल के दौरान, उन्होंने ऊर्जा और बुनियादी ढांचे के कारोबार के लिए इस समूह की रणनीति का शानदार नेतृत्व किया है और अवधारणा से लेकर संचालन तक – नवीकरणीय, बिजली उत्पादन, पारेषण और वितरण के लिए विभिन्न व्यवसायों को विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने ग्रुप के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के दो क्षेत्रों –एनर्जी नेटवर्क ऑपरेशंस सेंटर (ENOC) और प्रोजेक्ट मॉनिटरिंग एंड कंट्रोल ग्रुप की स्थापना में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

उन्होंने अपनी गहरी तकनीकी समझ और क्षेत्र पर ध्यान केंद्रित करके देश में अपने तरह की कई अनूठी परियोजनाओं का नेतृत्व किया है। वनीत के सक्षम नेतृत्व में अदानी समूह ने कई प्रमुख ऊर्जा परियोजनाओं को स्थापित और निष्पादित किया है, जैसे कामुठी में दुनिया का सबसे बड़ा सौर संयंत्र (उस समय), भारत की सबसे बड़ी सौर मॉड्यूल विनिर्माण सुविधा की स्थापना, भारत का पहला और सबसे लंबा निजी स्वामित्व वाला एचवीडीसी पारेषण नेटवर्क। इनमें से प्रत्येक परियोजना ऊर्जा उद्योग क्षेत्र में मानक मानदण्ड(बेंचमार्क) के उदाहरण हैं।

व्यापार उत्कृष्टता की अपनी इस यात्रा को एक नए क्षितिज तक ले जाने का उनका जुनून दीर्घकालिक संपोषनीयता के प्रति उनके मजबूत दृष्टिकोण और ईएसजी को व्यवसाय का एक अभिन्न अंग बनाने के दृढ़ विश्वास के साथ जारी है। गुणवत्तापूर्ण कार्य के प्रति दृढ़ निश्चयी वनीत जी बहुत कर्मठ और दूरदर्शी व्यक्तित्व हैं। उनका दीर्घकालीन अनुभव और कार्य के प्रति निष्ठा व लगन समूह की प्रगति में बहुत ही सहायक है।

तकनीकी विषयों के विशेषज्ञ

सुदीप्त भट्टाचार्य अदानी समूह – उत्तरी अमेरिका के सीईओ हैं। वह समूह के मुख्य प्रौद्योगिकी अधिकारी (सीटीओ) भी हैं। अपनी वर्तमान भूमिकाओं से पहले उन्होंने अदानी पोर्ट्स और एसईजेड (एपीएसईजेड) के सीईओ के पद पर भी कार्य किया है और अदानी समूह के मुख्य रणनीतिक अधिकारी भी रहे हैं । अदानी समूह में शामिल होने से पहले वे इनवेन्सिस के सुरक्षा और नियंत्रण और सॉफ्टवेयर व्यवसाय के सीईओ थे। इनवेन्सिस से पहले वे SAP के सप्लाई चेन मैनेजमेंट, मैन्युफैक्चरिंग और इंजीनियरिंग प्रोडक्ट पोर्टफोलियो के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट थे। उन्होंने भारत में टाटा समूह के लिए रासायनिक संयंत्र संचालन, इंजीनियरिंग परियोजनाओं और आपूर्ति श्रृंखला संचालन के प्रबंधन के लिए 10 वर्षों तक काम किया है।

श्री भट्टाचार्य तकनीकी रूप से सम्बधिन्त विषयों के विशेषज्ञ हैं। निष्ठा और लगन के साथ कार्य को अंजाम देना सुदीप्त के व्यक्तित्व का प्रमुख गुण है।

सुदीप्त भट्टाचार्य
सीईओ, अदानी समूह उत्तरी अमेरिका,
और सीटीओ, अदानी समूह

व्यावसायिक उत्कृष्टता के प्रतीक

विनय प्रकाश
निदेशक, अदानी एंटरप्राइजेज और सीईओ,
प्राकृतिक संसाधन

विनय प्रकाश ऊर्जा और बुनियादी ढांचा क्षेत्र के जाने माने चेहरों में से एक हैं। ऊर्जा सुरक्षा और स्थिरता के लिए उत्साही, विनय प्रकाश ने शुरुआती दौर से ही अदानी समूह के प्राकृतिक संसाधन व्यवसाय का पोषण किया है और भारत और विदेशों में इसके विविधीकरण और विस्तारण की देखरेख में संलग्न हैं। उल्लेखनीय है कि प्राकृतिक संसाधन प्रभाग में एकीकृत कोयला प्रबंधन, लौह अयस्क, खनिज, बंकरिंग, खनन, सीमेंट जैसे व्यवसाय सामुच्य शामिल हैं। उनकी दूरदृष्टि और टीम को अपेक्षा से आगे जाने के लिए प्रेरित करने की क्षमता ने प्राकृतिक संसाधन प्रभाग को न केवल अदानी समूह के लिए बल्कि पूरे क्षेत्र के लिए विकास और उत्कृष्टता के मामले में अग्रणी रखा है। उनके नेतृत्व में प्राकृतिक संसाधन व्यवसाय ने पर्यावरण, सामुदायिक जुड़ाव, संपोषनीयता, सुरक्षा और सीएसआर के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के लिए कई पुरस्कार जीते हैं। श्री प्रकाश विभिन्न उद्योग निकायों में प्रमुख पदों पर भी हैं जिनमें FIMI, ASSOCHAM, FICCI और CII जैसी समितियाँ प्रमुख हैं जहां वे निरंतर अपने विचारों के आदान-प्रदान और सहयोग के माध्यम से अपनी महत्वपूर्ण भूमिका अदा करते हैं। उन्हें कई प्रतिष्ठित मंचों पर सम्मानित किया गया है और वर्ष 2017 में विनय ने वर्ल्ड पेट्रोकोल कांग्रेस ग्लोबल बिजनेस एक्सीलेंस अवॉर्ड भी प्राप्त किया है। श्री प्रकाश के पास बी.टेक (मैकेनिकल), संचालन/मटीरीयल प्रबंधन में पीजी डिप्लोमा की डिग्री है, वह एमबीए (वित्त) हैं और वह भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान-भारतीय खनन स्कूल (आईआईटी-आईएसएम) से सस्टनेबल माइनिंग प्रैक्टिस पर पीएचडी भी कर रहे हैं। 2001 में अदानी समूह में शामिल होने से पहले, उन्होंने आदित्य बिड़ला समूह के साथ आठ साल तक काम किया है।

प्रतिभा को पहचानने वाले

विक्रम एक अनुभवी मानव संसाधन पेशेवर हैं, जिनके पास अलग - अलग व्यवसायों, भौगोलिक क्षेत्रों और संस्कृतियों में तीन दशकों से अधिक का अनुभव है। उनकी विशेषज्ञता संगठनात्मक प्रभावशीलता, प्रतिभा प्रबंधन, और नेतृत्व विकास में व्यापक परिणामों के विचारशील प्रबंधन में निहित है। अदानी समूह में शामिल होने से पहले विक्रम ने कई वैश्विक ब्रांडों जैसे - एचएसबीसी इंडिया, अमेरिकन इंटरनेशनल ग्रुप, इंचकेप पीएलसी, एएनजेड, और ग्राइंड लेज बैंक में परिवर्तनकारी नेतृत्व की भूमिकाएँ निभाई हैं।

विक्रम ने एक्सएलआरआई जमशेदपुर से मानव संसाधन में मास्टर डिग्री हासिल की है और हार्वर्ड बिजनेस स्कूल से लीडिंग चेंज, मैनेजमेंट और इनोवेशन में डिग्री प्राप्त किया है। वह नेशनल एचआरडी नेटवर्क, मुंबई चैप्टर के अध्यक्ष भी हैं और एक्सएलआरआई से ग्नोसिस एक्सीलेंस अवार्ड के प्राप्तकर्ता भी रहे हैं। नेतृत्व के गुणों से सुसम्पन्न श्री विक्रम टंडन उच्च शिक्षित व्यक्तित्व हैं। कर्तव्य परायणता तथा दूरदर्शितापूर्ण मिशन को अंजाम देना विक्रम के व्यक्तित्व के प्रमुख गुण हैं।

विक्रम टंडन
समूह के मुख्य मानव संसाधन अधिकारी

Finest Integrated Township Experiences Await You

PHILLIPA 3 BHK Apartments | **CARDINAL** 2.5 and 3 BHK Apartments | **SENINA** 2 BHK Apartments | **THE WALK** 1 BHK Apartments

Ready-to-move-in Apartments with Occupancy Certificate at Hiranandani Estate, Thane (W)

Hiranandani Estate, Thane

TOWNSHIP FEATURES - Hiranandani Foundation School • Hiranandani Hospital • Clubhouse • Gymnasium • Squash Courts • Landscaped Gardens • Pedestrian-friendly, Tree-lined avenues • The Walk - High Street Retail

OC Received buildings in The Walk - Fortuna, Ventana A & B and Castalia A & B
OC Received other projects in Hiranandani Estate - RODAS ENCLAVE - Leona - 4 BHK & Basilius - 5 BHK

For more details contact:

+91 22 3357 4512
+91 22 6134 4757

Sales off.: Sales Gallery, Central Avenue,
Hiranandani Estate, off Ghodbunder Road, Thane (W)
www.hiranandani.com | sales@hiranandani.net
/hiranandanidevelopers

For Leasing of apartments in Hiranandani Estate, Thane. +91 82912 84241

Buildings in The Walk & Buildings in Rodas Enclave are mortgaged with HDFC Ltd. Cardinal and Senina are mortgaged with ICICI Bank Limited. The No Objection Certificate (NOC)/ permission of the mortgagee Bank would be provided for sale of flats/units/property, if required.

Hiranandani
creating better communities

जयकुमार जनकराज
सीईओ – अदानी ग्लोबल सिंगापुर एंड अदानी कॉर्नें

जिनका अनुभव बोलता है

जयकुमार जनकराज सितंबर 2013 में अदानी समूह में शामिल हुए और सिंगापुर में अदानी ग्लोबल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी और उन्होंने अदानी के डेटा सेंटर व्यवसाय के मुख्य कार्यकारी अधिकारी के रूप में कार्य किया है।

जयकुमार को संसाधन उद्योग, विश्व स्तरीय खनन परियोजनाओं और संसाधन कंपनियों के निर्माण और विकास में 21 वर्षों का समृद्ध अनुभव है। अदानी समूह में शामिल होने से पहले, श्री जनकराज 18 वर्षों तक स्टरलाइट इंडस्ट्रीज में थे, इस दौरान उन्होंने वहाँ कई कार्यकारी भूमिकाएँ निभाईं। हाल ही में कोंकोला कॉपर माइन्स, जाम्बिया के सीईओ और निदेशक के पद पर भी रहे। जयकुमार पीएसजी कॉलेज ऑफ टेक्नोलॉजी, कोयंबटूर से मैकेनिकल इंजीनियरिंग की डिग्री धारण करते हैं। 2006 में, जयकुमार को अ–लौह धातुकर्म उद्योग में उनके महत्वपूर्ण योगदान के लिए भारतीय धातु संस्थान द्वारा स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया था और इंटरनेशनल हू इज हू ऑफ प्रोफेशनल्स (2009) द्वारा भी वह सूचीबद्ध हैं। श्री जय कुमार को सम्बन्धित क्षेत्रों में कार्य करने का दीर्घकालीन अनुभव है और उनकी कर्मठता तथा दूरदर्शिता समूह की प्रगति में निश्चित ही सहायक है।

गौरव गुप्ता
सीईओ, अदानी कैपिटल

कार्य के प्रति अत्यंत गम्भीर रहने वाले

गौरव गुप्ता वित्तीय सेवा व्यवसाय स्थापित करने के लिए अक्टूबर 2016 में अदानी समूह में शामिल हुए। गौरव के पास 20 साल से अधिक का निवेश बैंकिंग / कॉर्पोरेट वित्त और सलाहकार अनुभव है, जिन्होंने घरेलू और सीमा पार एमएंडए और पूंजी बाजार लेनदेन पर भारतीय और अंतर्राष्ट्रीय ग्राहकों को सलाह दी है।

अदानी समूह में शामिल होने से पहले, वह मैक्वेरी कैपिटल के भारत प्रमुख और प्रबंध निदेशक थे, जहां उन्होंने बाजार की अग्रणी बुनियादी ढांचा सलाहकार फ्रेंचाइजी बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। गौरव एक योग्य चार्टर्ड एकाउंटेंट हैं और उन्होंने नोमुरा, लेहमैन, रोथ्सचाइल्ड और आर्थर एंडरसन जैसी बहुराष्ट्रीय कंपनियों के साथ काम किया है। गौरव एक कर्मठ, सुयोग्य और कार्य के प्रति अत्यंत गम्भीर रहने वाले दूरदर्शी व्यक्तित्व हैं।

कर्मठता ही जिनकी पहचान है

अंग्शु मलिक
सीईओ, अदानी विल्मर लिमिटेड

अंग्शु मलिक की मेहनत और कार्य के प्रति उनकी समर्पित भावना के कारण ही फॉर्च्यून ने आज तक अपनी नेतृत्व स्थिति को बनाए रखा है।

श्री मलिक 1999 में अदानी विल्मर की स्थापना काल से ही इसका हिस्सा रहे हैं और एक उप महाप्रबंधक के पद से आगे बढ़ते हुए संगठन के प्रमुख की अपनी वर्तमान भूमिका तक पहुँचे हैं। उन्होंने फॉर्च्यून के लॉन्च के केवल 20 महीनों के भीतर उसे भारत के नंबर एक खाद्य तेल ब्रांड के रूप में उभरने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उनकी सूक्ष्म अंतर्दृष्टि ने यह सुनिश्चित किया है कि फॉर्च्यून ने आज तक अपनी शीर्ष स्थिति को बरकरार रखने में सफल है। अदानी विल्मर में शामिल होने से पहले, श्री मलिक राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड (एनडीडीबी), धारा के संचालन प्रमुख रह चुके हैं। इससे पहले उन्होंने गुजरात को-ऑपरेटिव मिल्क मार्केटिंग फेडरेशन (अमूल), आनंद के साथ विक्रय, विपणन, वितरण और निर्यात में काम किया है। श्री मलिक ने राष्ट्रीय डेयरी अनुसंधान संस्थान, करनाल से डेयरी प्रौद्योगिकी में स्नातक और ग्रामीण प्रबंधन संस्थान आनंद (IRMA) से ग्रामीण प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा किया है। अंग्शु मलिक अदानी समूह से दीर्घकाल से जुड़े हुए कर्मठ और दूरदर्शी व्यक्तित्व हैं। मलिक की समर्पित सेवाएं निश्चित रूप से अदानी विल्मर की प्रगति में सहायक हैं।

◆◆◆

डॉ. प्रीति अदानी
चेयरपर्सन, अदानी फाउंडेशन

मानवता की प्रतिमूर्ति एवं परोपकारी व्यक्तित्व

डॉ. प्रीति अदानी

प्रस्तुतिः टीम अभ्युदय वात्सल्यम्

डॉ. प्रीति अदानी की जीवन यात्रा को देखें तो हम यही पाएंगे कि उत्कृष्ट चरित्र के अन्य गुणों के साथ - साथ विनम्रता के सद्गुणों ने उनको महान बनाने में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। डॉ. प्रीति अपने सद्गुणों के माध्यम से कोमलता, धैर्य, उदारता और कृतज्ञता के भावों को सहेजकर रखती हैं।

दूरदर्शिता, सिद्धान्तवादिता, स्पष्ट दृष्टिकोण एवं उद्देश्य के प्रति पूर्ण समर्पण – ये ऐसे श्रेष्ठ मानवीय सद्गुण हैं, जिनके माध्यम से व्यक्ति संसार में कुछ भी कर सकता है। योग्यता– पात्रता जैसे विशिष्ट गुण किसी भी व्यक्ति में सहज ही उत्पन्न हो जाते हैं यदि उसमें कार्य के प्रति उत्कट इच्छाशक्ति और अनवरत कार्य साधना की प्रबल भावना हो। जुनून से प्रेरित दूरदर्शी व्यक्तित्व जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में सफलता के परचम लहराते हैं और इसी प्रकार देश– दुनिया के लिए अनुकरणीय, अनुसरणीय और प्रेरक बन जाते हैं। एक ऐसे ही उत्कृष्ट व्यक्तित्व की धनी हैं अदानी फाउंडेशन की चेयरपर्सन डॉ. प्रीति अदानी।

डॉ. प्रीति अदानी के कुशल एवं प्रभावशाली नेतृत्व में अदानी फाउंडेशन द्वारा व्यापक स्तर पर समाजसेवी कार्यक्रमों एवं योजनाओं का संचालन किया जाता है। डॉ. प्रीति अदानी की जीवन यात्रा को देखें तो हम यही पाएंगे कि उत्कृष्ट चरित्र के अन्य गुणों के साथ – साथ विनम्रता के सद्गुणों ने उनको महान बनाने में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। डॉ. प्रीति अपने सद्गुणों के माध्यम से कोमलता, धैर्य, उदारता और कृतज्ञता के भावों को सहेजकर रखती हैं और वह कॉरपोरेट

सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी (सीएसआर) पर ज्यादा ध्यान देती हैं। अदानी फाउंडेशन के माध्यम से, डॉ. अदानी यह सुनिश्चित कर रही हैं कि अदानी समूह समाज के हाशिए पर खड़े और सर्वाधिक सुभेद्य वर्ग के लोगों के जीवन को सकारात्मक रूप से प्रभावित करे और उनमें परिवर्तन लाने में मदद करे।

डॉ. प्रीति अदानी के मार्गदर्शन में, अदानी फाउंडेशन चार प्रमुख क्षेत्रों में अपनी गतिविधियों का संचालन कर रहा है जो हैं –शिक्षा, सार्वजनिक स्वास्थ्य, सतत आजीविका और ग्रामीण बुनियादी ढांचे का विकास। अदानी फाउंडेशन अपनी स्पष्ट भागीदारी और नवाचारी गतिविधियों के माध्यम से व्यक्तियों और समुदायों को सशक्त बनाकर समाज के समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध रहते हुए एक समावेशी दृष्टिकोण अपनाता है। वर्तमान में, अदानी फाउंडेशन प्रमुख रूप से देश के 18 राज्यों में सामुदायिक विकास के कार्यों में संलग्न है। इससे आगे बढ़ते हुए डॉ. प्रीति अदानी ने देश भर में अदानी फाउंडेशन के पदचिन्हों का विस्तार करने की परिकल्पना की है।

"जीवन में जो मायने रखता है वह केवल यह तथ्य नहीं है कि हमने इसे जिया है। दूसरों के जीवन में हमने जो फर्क पैदा किया है, वही हमारे जीवन के महत्व को निर्धारित करेगा।" – डॉ. प्रीति अदानी नेल्सन मंडेला के इन्हीं विचारों से अत्यंत प्रभावित हैं और उन्होंने अदानी फाउंडेशन की सम्पूर्ण कार्यप्रणाली को इसी आधार पर विकसित किया है। नेल्सन मंडेला के ये शब्द सरल रूप में अदानी फाउंडेशन की विशाल यात्रा को सारांशित करते हैं। लेकिन, जो चीज डॉ. प्रीति अदानी के लिए ज्यादा मायने रखती है, वह है दुनिया को सकारात्मक तरीके से बदलने की नि:स्वार्थ भावना।

डॉ. प्रीति अदानी के नेतृत्व में अदानी फाउंडेशन न केवल संयुक्त राष्ट्र के एजेंडा-2030 के सतत विकास लक्ष्यों के प्रति अपनी प्रतिबद्धताओं को पूरा कर पाने की दिशा में अग्रसर है बल्कि अन्य उभरती अर्थव्यवस्थाओं को भी प्रेरित कर सकने में सक्षम हुआ है। वैश्विक परिवर्तन और सरकार के लक्ष्यों में निर्णायक बदलाव के बीच, अदानी फाउंडेशन की भूमिका भी परिपक्व हो गई है। 1996 में डॉ. प्रीति अदानी के नेतृत्व में जब इस फाउंडेशन की स्थापना हुई थी तो इसका प्राथमिक लक्ष्य देश के दूर-दराज के कोनों तक पहुंचना और शहरी और ग्रामीण भारत में अंतर को गहराई से समझना था। शिक्षा, सार्वजनिक स्वास्थ्य, ग्रामीण बुनियादी ढांचे के विकास और सतत आजीविका जैसे व्यापक स्तंभों पर काम करने वाली प्रीति अदानी की समाजसेवी कार्यशैली भारत के समावेशी विकास के दृष्टिकोण से बिलकुल सुसंगत दिखाई देती है। डॉ. प्रीति कहती हैं, "जब मैं पीछे मुड़कर देखती हूं तो पाती हूँ कि हमारा कारवाँ कई गुना बढ़ गया है, जिससे लाखों लोगों के जीवन में बदलाव आया है लेकिन सबसे प्रभावशाली वह तरीका है जिनसे इनके जीवन में यह परिवर्तन आया है।"

◆◆◆

adani

लाखों लोगों की जिन्दगी को खुशहाल बनाता अदानी फाउंडेशन

"अदानी फाउंडेशन अपनी स्पष्ट भागीदारी और नवाचारी गतिविधियों के माध्यम से व्यक्तियों और समुदायों को सशक्त बनाकर समाज के समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध है।

ट्स्टीशिप के गांधीवादी दर्शन से प्रेरणा लेते हुए, अदानी फाउंडेशन सतत अवसर पैदा करने का प्रयास करता है। ऐसा यह गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की सुविधा प्रदान करके, युवाओं को आय-सृजन कौशल के साथ सक्षम बनाते हुए, एक स्वस्थ समाज को आगे बढ़ाता है और बुनियादी ढांचे के विकास को समर्थन देता है। समुदायों के समग्र विकास में योगदान देने के उद्देश्य से अदानी फाउंडेशन सतत विकास लक्ष्यों को पूरा करने के वैश्विक एजेंडे में अपना बहुमूल्य योगदान दे रहा है।

अभी दो दशकों से अधिक समय से अदानी फाउंडेशन एक समन्वयक की भूमिका निभाकर समुदायों के उत्थान के लिए काम कर रहा है। यह एक आवश्यकता-आधारित, प्रक्रिया-संचालित और भागीदारी परक दृष्टिकोण का उपयोग करते हुए मानव संसाधनों की भलाई को बढ़ावा देने का कार्य कर रहा है।

शिक्षा

अदानी फाउंडेशन का संकल्प है कि अधिक से अधिक बच्चों को गुणवत्तापूर्ण और वहनीय शिक्षा उपलब्ध कराई जाए और इसके लिए इसने भारत भर में कई लागत मुक्त स्कूल और साथ ही सब्सिडी आधारित स्कूलों की व्यवस्था की है।

बच्चों की वास्तविक क्षमता का पता लगाने के लिए दूरदराज के इलाकों में कई स्मार्ट लर्निंग प्रोग्राम के साथ-साथ सरकारी स्कूलों को अपनाने की प्रक्रिया चलाई जा रही है। यह आंगनबाड़ियों और बालवाड़ियों को भी अनुदान के माध्यम से बच्चों के लिए सहज वातावरण के निर्माण में मदद करता है। इन शैक्षिक मॉडलों की बारमबारता और व्यापकता यह सुनिश्चित कर रही है कि अधिक से अधिक बच्चे लाभार्थी बनकर उज्ज्वल भविष्य की ओर अपना मार्ग तलाश सकें।

अदानी विद्या मंदिर

शिक्षा एक व्यक्ति में परिवर्तन लाती है और उनके भविष्य को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। यही कारण है कि अदानी विद्या मंदिर (एवीएम) की स्थापना 2008 में की गयी थी और समय के साथ, यह वास्तव में एक सीखने और आगे बढ़ने का स्थान(ए प्लेस टू लर्न; ए स्पेस टू ग्रो) बन गया है। अदानी विद्या

मंदिर (एवीएम) विद्यालयों के हरे-भरे और अत्याधुनिक परिसर सीखने का एक सुखद, सुरक्षित और स्फूर्तिदायक अनुभव प्रदान करते हैं। आधुनिक तकनीक और पारंपरिक मूल्यों का एक संतुलित अनुपात प्रतिभाशाली छात्रों को अपनी पढ़ाई को आगे बढ़ाने में सक्षम बनाता है। अहमदाबाद (गुजरात), भद्रेश्वर (गुजरात), सरगुजा (छतीसगढ़) और मुथुकुरु (आंध्र प्रदेश) में अदानी के स्कूल समाज के वंचित वर्गों के प्रति अदानी फाउंडेशन की प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं।

अदानी स्कूल मैनुअल, जो क्यूसीआई मानकों के तहत शिक्षण और प्रशिक्षण के लिए राष्ट्रीय प्रत्यायन बोर्ड (एनएबीईटी) के साथ संरेखण में तैयार किया गया था, गुणवत्तापूर्ण स्कूल प्रशासन, अकादमिक उत्कृष्टता और हितधारकों की संतुष्टि सुनिश्चित करता है। अदानी विद्या मंदिर के छात्रों के लिए सीखना कक्षा की चारदीवारी तक सीमित नहीं है। सुबह की कक्षाओं से लेकर साप्ताहिक क्लब गतिविधियों तक, रचनात्मकता और प्रतिभाओं को एक ही छत के नीचे अनेक आयाम और मंच प्राप्त होते हैं। अदानी विद्या मंदिर का दीर्घकालिक दृष्टिकोण अगली पीढ़ी को जिम्मेदार, आत्मविश्वासी, स्वतंत्र और आत्म-प्रेरित नागरिकों के रूप में अपनी पहचान, प्रतिभा और उद्देश्य को महसूस करने के लिए प्रोत्साहित करना है।

अदानी स्कूल

अदानी फाउंडेशन निम्नलिखित स्कूलों के माध्यम से 3300 से अधिक छात्रों को रियायती दरों पर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करता है :

- **अदानी पब्लिक स्कूल,मुंद्रा (गुजरात)**
- **अदानी विद्यालय,तिरोरा (महाराष्ट्र)**
- **अदानी विद्यालय,कवई (राजस्थान)**
- **नवचेतन विद्यालय,जूनागाम (गुजरात)**
- **अदानी डीएवी पब्लिक स्कूल,धामरा (ओडिशा)**
- **नवयुग वर्ल्ड स्कूल,कृष्णापट्टनम (आंध्र प्रदेश)**

मुंद्रा, गुजरात में अदानी पब्लिक स्कूल सीबीएसई से मान्यताप्राप्त एक अंग्रेजी माध्यम सह-शैक्षिक स्कूल है। यह NABET प्रत्यायन प्राप्त करने वाला कच्छ व सौराष्ट्र क्षेत्र का पहला विद्यालय बन गया है। महाराष्ट्र के तिरोरा और राजस्थान के कवई में स्थित अदानी विद्यालय अपने आसपास के समुदायों के बच्चों की शैक्षणिक जरूरतों को पूरा करते हैं।

नवचेतन विद्यालय गुजरात में हजीरा के जूनागाम में स्थित है।

छात्रों की सीखने की क्षमता को बढ़ावा देने और जमीनी स्तर पर बेहतर परिणाम प्राप्त करने के लिए अदानी फाउंडेशन ने वर्ष 2018-19 में उत्थान परियोजना के माध्यम से एक अभिनव पहल किया है।

क्षेत्रीय आबादी के बीच शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए स्कूल छात्रों को नि:शुल्क भोजन और शैक्षणिक सामग्री सहायता जैसे स्कूली पोशाक, नोटबुक, कार्यपुस्तिकाएं, पाठ्यपुस्तकें और स्टेशनरी प्रदान करता है।

अदानी डीएवी पब्लिक स्कूल ओडिशा के भद्रक जिले के आस-पास के समुदायों के छात्रों की आवश्यकताओं को पूरा करता है। अंतरराष्ट्रीय स्तर का यह स्कूल अदानी फाउंडेशन द्वारा डीएवी कॉलेज ट्रस्ट के सहयोग से चलाया जाता है।

कृष्णापट्नम, आंध्र प्रदेश में अवस्थित नवयुग वर्ल्ड स्कूल सीबीएसई से मान्यता प्राप्त एक अंग्रेजी माध्यम का सह-शैक्षिक स्कूल है। यह परियोजना आधारित अध्ययन और खेल-कूद पर अपना ध्यान ज्यादा केंद्रित करता है।

ज्ञानोदय

ज्ञानोदय अदानी फाउंडेशन द्वारा एक नवाचारी ऑनलाइन शिक्षा पहल है, जो झारखंड के गोड्डा जिले (नीति आयोग द्वारा एक आकांक्षी जिला घोषित) में ग्रामीण इलाकों के छात्रों को अधिक दक्षता से सीखने में मदद करती है। गोड्डा जिला प्रशासन और एकोवेशन प्राइवेट लिमिटेड के सहयोग से यह स्मार्ट कक्षाओं के माध्यम से एक अत्याधुनिक समवादपरक पाठ्यक्रम प्रदान कर रहा है जो अंतत: सतत विकास लक्ष्य (एसडीजी) क्रमांक-4 यानी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को ही पूरा कर रहा है। इस पहल ने स्कूल छोड़ने की दर को सफलतापूर्वक काफी कम किया है, उपस्थिति दर में वृद्धि को उत्प्रेरित किया है और परीक्षाओं में छात्रों के प्रदर्शन के वास्तविक परिणाम दिए हैं। 2018 में शुरू हुई यह परियोजना जिले के 276 स्कूलों के 70,000 छात्रों तक पहुंच चुकी है। अकादमिक वर्ष 2019-20 की कक्षा दसवीं की बोर्ड परीक्षा में गोड्डा जिले का उत्तीर्ण प्रतिशत 75% तक पहुंच गया, जो कि 2018-19 के 66% और 2017-18 के 50% की तुलना में काफी उल्लेखनीय वृद्धि थी। इस पहल ने आगे 2021-22 के लिए 330 स्कूलों के शिक्षकों को भी प्रशिक्षित किया है। इस जिले में छात्रों द्वारा प्राप्त प्रावीण्य परिणामों को देखते हुए राज्य सरकार ने ज्ञानोदय मॉडल को पूरे राज्य में लागू करने का निर्णय लिया है।

कोविड-19 प्रतिबंधों के बीच ऑनलाइन शिक्षा कार्यक्रम ने लाखों बच्चों के लिए दूरस्थ शिक्षा को संभव बना दिया है। ज्ञानोदय रथ डिजिटल माध्यम से सीखने के लिए तैनात किया गया ऐसा ही एक अच्छे तरीके से सुसज्जित वैन है जो गैर-नेटवर्क क्षेत्रों को समाहित करते हुए छात्रों के दरवाजे तक अपनी पहुँच कायम करता है। इस महामारी के बीच यह परियोजना 276 स्कूलों के 70,000 से भी ज्यादा छात्रों और दूरदर्शन झारखंड के माध्यम से और आगे 30 लाख छात्रों तक पहुंच चुकी है।

उत्थान

छात्रों की सीखने की क्षमता को बढ़ावा देने और जमीनी स्तर पर बेहतर परिणाम प्राप्त करने के लिए अदानी फाउंडेशन ने वर्ष 2018-19 में उत्थान परियोजना के माध्यम से एक अभिनव पहल किया है। इस व्यापक पहल में सरकारी प्राथमिक विद्यालयों को अपनाना, मेधावी विद्यार्थियों को पढ़ाना, स्कूल छोड़ने की दर को रोकना और कर्मचारियों की क्षमता निर्माण के लिए सहयोग करना शामिल है। इसने छात्रों के बीच मूलभूत साक्षरता और संख्यात्मक क्षमता बढ़ाने के लिए शिक्षकों और अभिभावकों (विशेषकर माताओं) को भी एक साथ जोड़ा है।

एक बच्चे का स्कूली शिक्षा में दाखिले के लिए स्थानीय सरकारी स्कूल सबसे मुफीद स्थान होता है और अदानी फाउंडेशन का उद्देश्य उनके लिए इसी अनुभव को आगे बढ़ाना है। **उत्थान सहायक** नामक पूरक शिक्षकों की मदद से यह फाउंडेशन ग्रामीण क्षेत्रों में मौजूदा शैक्षिक तंत्र को मजबूत बनाकर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और बच्चों के समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध है। इसके लिए यह स्कूलों में पर्याप्त संसाधनों और सुविधाओं की मदद से उसे एक आनंदपरक शिक्षण स्थान भी बनाता है।

यह परियोजना निम्नलिखित स्थानों में संचालित है: मुंद्रा (कच्छ) - 17 स्कूलों के 2,411 छात्र, नखतराना (कच्छ) - 8 स्कूलों के 1,160 छात्र, हजीरा (सूरत) - 10 स्कूलों के 1,446 छात्र, दाहेज - 14 स्कूलों के 3,005 छात्र, सरगुजा (छत्तीसगढ़) - 2 स्कूलों के 47 छात्र और हाल ही में धामरा (ओडिशा) - 46 स्कूलों / आंगनवाड़ी में 2,291 छात्र। इस तरह यह परियोजना 81 स्कूलों और 16 आंगनवाड़ी में 10,360 छात्रों तक पहुंच चुकी है।

आमची शाला आदर्श शाला प्रतियोगिता

आमची शाला आदर्श शाला प्रतियोगिता जिला शिक्षा विभाग के सहयोग से अदानी फाउंडेशन द्वारा संचालित एक सामुदायिक जुड़ाव पहल है। इसका उद्देश्य सरकारी प्राथमिक और उच्च प्राथमिक विद्यालयों को प्रेरित करना और उनका कायाकल्प करना है। इस पहल के तहत सरकारी स्कूलों में एक प्रतियोगिता आयोजित करायी जाती है – इसे 11 शीर्षकों के तहत 41 गुणवत्ता मानकों के आधार पर डिजाइन किया गया है, जिसमें स्कूल के मानदंड में सुधार के लिए शिक्षा की गुणवत्ता और आवश्यक सुविधाओं सहित सभी आवश्यक पहलुओं को शामिल किया गया है। इस पहल ने इन स्कूलों के लिए बेहतर बुनियादी ढांचे और अन्य सुविधाओं के माध्यम से प्रतियोगी परीक्षाओं में भी बेहतर परिणाम लाए हैं।

स्वास्थ्य

अदानी फाउंडेशन का मानना है कि किसी भी राष्ट्र के विकास के लिए लोगों का बेहतर स्वास्थ्य सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण है। इसलिए स्वास्थ्य सेवाओं को दूर-दराज के क्षेत्रों में पहुंचाना इसके उद्देश्यों में शामिल है। इसका मुख्य ध्यान जमीनी स्तर के उन लोगों तक गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच में सुधार करना है जो समाज के कमजोर वर्गों से आते हैं। इस प्रयास में यह देश भर में मोबाइल हेल्थ केयर यूनिट्स चलाता है। इसके अलावा अस्पतालों और क्लीनिकों एवं सामान्य के साथ-साथ विशेष स्वास्थ्य शिविर भी चलाता है। इस दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम दिव्यागों और बुजुर्गों को विशेष सहायता प्रदान करना है।

1. 17 मोबाइल हेल्थ केयर यूनिट्स – सालाना 4 लाख से अधिक रोगियों का देखभाल किया जाता है।
2. 14 ग्रामीण क्लीनिक – सालाना 30,000 से अधिक रोगियों का इलाज करते हैं।
3. विभिन्न चिकित्सा स्वास्थ्य शिविर– सालाना 51,000 से अधिक रोगियों को निदान और उपचार की सुविधा प्रदान करते हैं।

जीएआईएमएस (GAIMS)

गुजरात अदानी इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (जीएआईएमएस) गुजरात सरकार और अदानी शिक्षा और शोध संस्थान के बीच अपनी तरह का पहला सार्वजनिक-निजी साझेदारी (पीपीपी) प्रयास है। जी.के. जनरल अस्पताल (जीकेजीएच) कच्छ क्षेत्र में इससे जुड़ा हुआ एकमात्र बहु-विशिष्ट आधुनिक शिक्षण जिला अस्पताल है। इसका परिसर भुज शहर के मध्य में 27 एकड़ भूमि में फैला हुआ है, जिसमें मेडिकल कॉलेज, शिक्षण अस्पताल, यूजी / पीजी छात्रों के लिए छात्रावास और शिक्षण और गैर-शिक्षण कर्मचारियों के लिए आवासीय क्षेत्र शामिल हैं। जी.के. जनरल अस्पताल सभी सामाजिक-आर्थिक वर्गों के मरीजों, विशेष रूप से सर्वाधिक

“

अदानी फाउंडेशन का मानना है कि किसी भी राष्ट्र के विकास के लिए लोगों का बेहतर स्वास्थ्य सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण है। इसलिए स्वास्थ्य सेवाओं को दूर-दराज के क्षेत्रों में पहुंचाना इसके उद्देश्यों में शामिल है।

गरीब रोगियों के उपचार पर अपना ध्यान केंद्रित करता है। इस अस्पताल में 750 से अधिक बेडों और 14 से अधिक ऑपरेशन थियेटरों की सुविधा है।

स्वास्थ्य शिविर और वरिष्ठ नागरिकों के स्वास्थ्य कार्ड

अदानी फाउंडेशन गंभीर बीमारियों के उपयुक्त व समयबद्ध निदान और उपचार सुनिश्चित करने के लिए सामान्य और विशेष स्वास्थ्य शिविर आयोजित करता है। ये शिविर रोगियों को आगे या विशेष देखभाल के लिए समय पर अभिनिर्देशित भी करते हैं। इसके साथ – साथ गुजरात के मुंद्रा में वाडिल स्वास्थ्य योजना समाज के हाशिए पर अवस्थित वरिष्ठ नागरिकों के उन वर्गों को भी लाभान्वित करते हैं जो सामाजिक–आर्थिक रूप से बेहद कमजोर हैं। इसमें प्रति वर्ष 2 लाख रुपये से कम की पारिवारिक आय वाले वरिष्ठ नागरिकों को शामिल किया गया है – उन्हें तीन साल के लिए 50,000 रुपये की मुफ्त स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाने के लिए ग्रीन कार्ड प्रदान किए जाते हैं जबकि प्रति वर्ष 2 लाख रुपये से अधिक की पारिवारिक आय वाले लोगों को अदानी अस्पतालों में रियायती दरों पर स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाने के लिए नीला कार्ड प्रदान किया जाता है।

मोबाइल स्वास्थ्य देखभाल इकाइयाँ

अदानी फाउंडेशन दूर–दराज के क्षेत्रों में मरीजों को मौके पर ही चिकित्सा सहायता प्रदान करते हुए मोबाइल हेल्थ केयर यूनिट (एमएचसीयू) संचालित करता है। एमएचसीयू द्वारा दूरदराज के गांवों में लोगों की सेवा की जा रही है, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य देखभाल सेवाएं जरूरतमंद समूहों के घर तक पहुंचे। ये सेवाएं न केवल रोगियों का इलाज करने

और जागरूकता पैदा करने में सफल रही हैं, बल्कि इससे लाभार्थियों को पैसे और समय बचाने में भी मदद मिली है जो वे अन्यथा परिवहन, परामर्श और दवाओं पर खर्च करते। वर्तमान में, देश भर के 15 एमएचसीयू में सालाना औसतन चार लाख लोग स्वास्थ्य लाभ प्राप्त करते हैं।

ग्रामीण क्लीनिक

अदानी फाउंडेशन ने ग्रामीण भारत के दूरस्थ क्षेत्रों में न केवल निवारक और उपचारात्मक सेवाएं प्रदान करने के दृष्टिकोण के साथ अपनी स्वास्थ्य देखभाल सेवाओं की शुरुआत की बल्कि अपनी परियोजना में शामिल गांवों में अधिकांश आबादी को सहायक समावेशन के माध्यम से भी शुरू किया। विभिन्न सीएसआर स्थानों पर हमारे 14 ग्रामीण क्लीनिक और स्वास्थ्य केंद्र सालाना औसतन लगभग 30,000 मरीजों को समय पर चिकित्सा सहायता प्रदान करते हैं।

सतत आजीविका

सतत व स्थायी आजीविका अवसर का सृजन करने के लिए अदानी फाउंडेशन का प्रयास समाज के सभी वर्गों की समृद्धि और विकास को बढ़ावा देता है। यह समुदाय-आधारित दृष्टिकोणों के माध्यम से लोगों के जीवन को सशक्त बनाता है और आर्थिक अवसरों के लिए लोगों के दायरे को विस्तृत करता है। इसका कार्य इस विश्वास से प्रेरित है कि एक अच्छे जीवन स्तर वाले सशक्त व्यक्तियों से बना समाज राष्ट्र को समग्र समृद्धि और विकास की ओर ले जाता है। फाउंडेशन स्वयं सहायता समूहों को बढ़ावा देकर, पारंपरिक कला के संरक्षण की दिशा में पहल का समर्थन करके और कौशल विकास प्रशिक्षण आयोजित करके सामाजिक पूंजी का निर्माण करता है। ये कार्यक्रम विशेष तौर पर मछुआरा समुदायों, किसानों और पशुपालकों, युवाओं और महिलाओं के लिए तैयार किए गए हैं।

पारम्परिक रूप से मछली पकड़ने के व्यवसाय में संलग्न परिवारों को पूरक आजीविका का अवसर प्रदान करने के लिए उन्हें 40,000 से अधिक दिवस का कार्य प्रदान किया गया है। अदानी फाउंडेशन के सहयोग से 10,650 मछुआरा परिवारों के जीवन स्तर में सुधार हुआ है। ड्रिप सिंचाई के लिए 1600 हेक्टेयर भूमि को समाहित करते हुए 600 किसानों को सहायता SRI तकनीक के माध्यम से 5,211 किसान लाभान्वित हुए और इसमें उनकी 9,446 एकड़ भूमि को सम्मिलित किया गया। 900 वर्मी कम्पोस्ट बेड और 200 होम बायोगैस प्लांट का

अदानी फाउंडेशन ने ग्रामीण भारत के दूरस्थ क्षेत्रों में न केवल निवारक और उपचारात्मक सेवाएं प्रदान करने के दृष्टिकोण के साथ अपनी स्वास्थ्य देखभाल सेवाओं की शुरुआत की बल्कि अपनी परियोजना में शामिल गांवों में अधिकांश आबादी को सहायक समावेशन के माध्यम से भी शुरू किया।

उपयोग किया जा रहा है। 114 स्वयं सहायता समूहों की 800 से अधिक महिलाएं विभिन्न आय सृजन गतिविधियों के माध्यम से अपनी आजीविका कमा रही हैं। ग्रामीण पशु प्रजनकों के 10,000 से अधिक परिवारों को शामिल करके चार स्थानों पर कुल 6 पशुधन विकास केंद्र स्थापित किए गए हैं।

पशुपालन

पशुपालन जानवरों और पशुपालकों के जीवन में बदलाव ला रहा है। अदानी फाउंडेशन, बीएआईएफ के समर्थन से परियोजना क्षेत्रों में पशुधन विकास केंद्र (एलडीसी) चलाता है ताकि बेहतर पशुपालन प्रथाओं के साथ-साथ पशु नस्ल में सुधार के लिए प्रशिक्षण की सुविधा हेतु उपलब्ध हो सके।

पशुधन विकास केंद्र के माध्यम से उचित शेड, टीकाकरण, रोग निदान, बेहतर चारा और कृत्रिम गर्भाधान की सुविधा देकर इस क्षेत्रक को बढ़ावा दिया जाता है। अदानी फाउंडेशन किसानों को हरा-चारा और अजोला उगाने में भी मदद करता है और मवेशियों के अपशिष्ट से विभिन्न जैविक खादों का उत्पादन करता है।

- **2000 से अधिक उन्नत नस्ल के बछड़ों का जन्म**
- **पशु चिकित्सा स्वास्थ्य शिविरों के माध्यम से 16,000 से अधिक मवेशियों का इलाज**
- **4000 से अधिक कृत्रिम गर्भाधान किया गया**

सहकारी समितियों और कंपनियों को सुविधा प्रदान करना

अदानी फाउंडेशन किसानों और महिला उद्यमियों को कंपनियों और निर्माता क्लबों जैसे संघों के रूप में पंजीकरण करने की सुविधा प्रदान कर रहा है। उदाहरण के लिए, महिला उद्यमी बहुउद्देशीय सहकारी समिति लिमिटेड (एमयूबीएसएस) एक ग्रामीण सहकारी समिति है जिसके सदस्यों में 250 आदिवासी महिलाओं समेत छत्तीसगढ़ के सरगुजा जिले के परसा क्षेत्र के 10 गांवों की महिलाएँ शामिल हैं। इस परियोजना के तहत सहकारिता से जुड़ी महिलाओं को 49 स्वयं सहायता समूह में संगठित विभिन्न

आजीविका–अर्जन गतिविधियों के माध्यम से प्रशिक्षित और समर्थित किया जाता है, जिनमें से कुछ में सफेद फिनाइल उत्पादन, जल शोधन संयंत्र का संचालन, मशरूम की खेती, पोशाक की सिलाई, नाश्ता व मध्याह्न भोजन तैयार करना आदि शामिल हैं। इस माध्यम से उनका वार्षिक कारोबार 133 लाख रुपए तक पहुँच गया है।

महिला स्वयं सहायता समूहों को सुदृढ़ बनाना

अदानी फाउंडेशन महिलाओं के आत्मनिर्भर होने के प्रयास में उनके उद्यमशील प्रयासों को सुविधाजनक बनाने में खुद को गौरवान्वित महसूस करता है। यह आधुनिक उत्पादन तकनीकों, लेखांकन और बहीखाता पद्धतियों को अपनाने के साथ–साथ ब्रांडिंग, पैकेजिंग और विपणन सहायता को बेहतर बनाने में मदद करने के लिए गहन प्रशिक्षण प्रदान करता है। विजमार्ट, विझिंजम की महिला उद्यमियों से लेकर मुंद्रा, दहेज, हजीरा, कवई, धामरा, रायगढ़ और रायपुर में कई स्वयं सहायता समूहों के सदस्यों तक, ये महिलाएं अलग–अलग व्यवसायों में संलग्न हैं। इन व्यवसायों में सूखा नाश्ता तैयार करना, सैनिटरी नैपकिन, अगरबत्ती, लाख की चूड़ियाँ आदि बनाना शामिल हैं। इन क्षेत्रों में कुल 198 स्वयं सहायता समूह कार्यरत हैं, जिनके 1,829 से ज्यादा सदस्य हर महीने अपनी घरेलू आय को बढ़ाने में अपना योगदान करते हैं और इस तरह अपने परिवार में आर्थिक स्थिरता लाते हैं।

सतत कृषि

कृषि हमारी अर्थव्यवस्था की रीढ़ है और ग्रामीण आबादी के लिए आजीविका का एक प्रमुख स्रोत है। अदानी फाउंडेशन किसानों के कौशल को बेहतर करने और उन्हें जैविक तकनीकों से परिपूर्ण करने के लिए काम करता है, जैसे कि सिस्टम ऑफ राइस इंटेंसिफिकेशन (एसआरआई) ताकि वे अपनी जमीन से लगातार और स्थायी रूप से अधिक आय अर्जित कर सकें अथवा विभिन्न कृषि व्यवसाय कर सकें। उदाहरण के लिए, अदानी फाउंडेशन मुंद्रा में किसानों को उनके फार्म से बाजार तक उनके उत्पाद पहुँचाने हेतु खजूर की खेती के लिए ऊतक समवर्धन (टिशू कल्चर) की सुविधा प्रदान कर रहा है और इसके लिए प्रशिक्षण भी प्रदान कर रहा है।

इसी तरह, उत्कृष्ट फसल पद्धतियों और फसल विविधीकरण से किसानों के जीवन स्तर और आय में वृद्धि हो रही है। किसानों द्वारा बागवानी का वाड़ी मॉडल अपनाया जा रहा है, जहां जैविक और विपणन जोखिमों को कम करने के लिए दो या दो से अधिक फसलें उगाई जाती हैं। सब्जियों और फलों की साथ–साथ कृषि से भूमि का इष्टतम उपयोग होता है और उनके लिए निरंतर आय उत्पन्न होती है। जिन किसानों के खेतों में पलाश के पेड़ हैं उन्हें लाख की खेती के लिए प्रशिक्षण, भौतिक और तकनीकी सहायता प्रदान की जाती है। वैज्ञानिक रूप से

उपजायी गयी लाख की पैदावार ने उत्पादन में वृद्धि की, जिससे न्यूनतम खर्च पर अधिकतम लाभ हुआ। इसके अलावा, किसान मशरूम की खेती में संलग्न हैं ,जो कृषि का एक गैर परम्परागत रूप है लेकिन उचित प्रशिक्षण और बाजार से जुड़ाव के माध्यम से यह आजीविका का एक आकर्षक उद्यम साबित हो रहा है। इसके अतिरिक्त, जैविक खाद उत्पादन को भी प्रोत्साहित किया जाता है, जो अंततः जैविक खेती में सहायक होता है।

सामुदायिक अवसंरचना

सामुदायिक अवसंरचना का समुदाय के जीवन स्तर और व्यष्टि अर्थव्यवस्था पर सीधा प्रभाव पड़ता है। संसाधनों तक पहुंच, आजीविका के अवसरों में वृद्धि, पेयजल के सुरक्षित और स्वच्छ स्रोत एवं गुणवत्तापूर्ण प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल प्रणालियों तक पहुंच से बेहतर उत्पादकता, मृत्यदर में कमी और रोजगार के पर्याप्त अवसर सृजित होते हैं। बुनियादी ढांचा सुविधाओं के विकास में सरकार की प्रमुख भूमिका को स्वीकारते हुए अदानी फाउंडेशन असमानताओं को पाटने और अपनी गतिविधियों

> अदानी फाउंडेशन किसानों के कौशल को बेहतर करने और उन्हें जैविक तकनीकों से परिपूर्ण करने के लिए काम करता है। जैसे कि सिस्टम ऑफ राइस इंटेंसिफिकेशन (एसआरआई) ताकि वे अपनी जमीन से लगातार और स्थायी रूप से अधिक आय अर्जित कर सकें अथवा विभिन्न कृषि व्यवसाय कर सकें।

को जमीनी स्तर की आवश्यकताओं के लिए अधिक अनुकूल और उत्तरदायी बनाने का प्रयास करता है।

- 20 चेक डैम बनाए गए और 350 तालाबों को गहरा किया गया, जल संग्रहण क्षमता को बढ़ाकर 78,17,468 क्यूबिक मीटर किया गया।
- गरीबी रेखा से नीचे के परिवारों और मछुआरा समुदायों के लिए 683 से अधिक आवासीय इकाइयों का निर्माण और मरम्मत का कार्य किया गया।
- ग्रामीणों को पेयजल की लगभग 330 सुविधाएं उपलब्ध कराई गयीं।

जल संरक्षण और पेयजल सुविधाएं

पीने के पानी के सुरक्षित और स्वच्छ स्रोत के साथ – साथ गुणात्मक प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल तक पहुंच न केवल उत्पादकता में वृद्धि करते हैं बल्कि रुग्णता में भी कमी लाते हैं। अदानी फाउंडेशन ने देश भर में पेयजल परियोजनाओं और जल संचयन संरचनाओं के निर्माण को क्रियान्वित कर न केवल सतही जल को संग्रहित बल्कि भूजल के पुनर्भरन को भी प्रोत्साहित किया है। इसके लिए इसने आरओ प्लांट स्थापित किए हैं, भूजल वृद्धि कार्यक्रम के अंतर्गत छत पर वर्षा जल संग्रहण,तालाबों का गहराकरण और बोर–वेल रिचार्ज आदि पद्धतियों को लागू किया है। इस तरह इसमें उपयोग की जाने वाली तकनीकें वहनीय, आसानी से लागू करने योग्य और अत्यधिक प्रतिकृति योग्य हैं, जो पूरे भारत में ग्रामीण समुदायों की जीवन स्तरों में सुधार ला रही हैं।

अन्य बुनियादी ढांचा विकास कार्य

बुनियादी ढांचा सुविधाओं के विकास में सरकार की प्रमुख भूमिका को स्वीकारते हुए अदानी फाउंडेशन असमानताओं को पाटने और अपनी गतिविधियों को जमीनी स्तर की आवश्यकताओं के लिए अधिक अनुकूल

और उत्तरदायी बनाने का प्रयास करता है। इसमें शिक्षा से संबंधित बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को और अधिक सुगम्य बनाना शामिल है जिससे हजारों बच्चों को उनके अनुकूल वातावरण में सीखने में मदद मिलती है। अदानी फाउंडेशन का मानना है कि बुनियादी सुविधाओं को अद्यतन करने से ग्रामीण लोगों के जीवन स्तर में सुधार हो सकता है। यह पेयजल सुविधाओं और स्वच्छता में सुधार के लिए सहायता प्रदान करता है। यह स्कूल भवनों के सौंदर्यीकरण, स्वास्थ्य केंद्रों और यहां तक कि घरों के नवीनीकरण में भी मदद करता है। इसने सोलर स्ट्रीट लाइटें लगवायी हैं और देश भर में सम्पर्क सड़कों, पाइप पुलिया, खेल के मैदान, बाजार के चबूतरे, पंचायत भवन, धार्मिक स्थलों आदि के निर्माण में अपना सहयोग दिया है।

सक्षम

सक्षम अदानी की कौशल विकास परियोजना है जो कौशल-आधारित प्रशिक्षण प्रदान करके रोजगार में वृद्धि कर राष्ट्र निर्माण में योगदान देता है। यह परियोजना अपने अदानी कौशल विकास केंद्रों (एएसडीसी) के माध्यम से सरकार के कौशल भारत मिशन के बिल्कुल सुसंगत कार्य करती है।

अदानी कौशल विकास केंद्र अक्सर राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (एनएसडीसी) के साथ साझेदारी करते हैं और यह विभिन्न उद्योगपतियों और अन्य संगठनों के साथ साझेदारी का लाभ लेने के लिए भी काम करता है। यह अपने लाभार्थियों के लिए आत्मनिर्भर सुरक्षित भविष्य सुनिश्चित करने हेतु कई रोजग़ारोन्मुख और व्यावहारिक कार्यक्रम जैसे सिलाई-फराई, कंप्यूटर पाठ्यक्रम, ब्यूटीशियन कोर्स आदि संचालित करते हैं।

स्वच्छाग्रह

स्वच्छता का सत्याग्रह

स्वच्छाग्रह युवा नेताओं के माध्यम से लोगों में नागरिक चेतना को बढ़ावा देकर देश के स्वच्छ भारत अभियान को एक कदम और आगे ले जाता है।

- 70,000 से अधिक लोगों को प्रशिक्षित किया गया
- 10 राज्यों के 30 से अधिक केंद्रों पर 45 से ज्यादा पाठ्यक्रमों का संचालन
- आजीविका उत्पादन अनुपात: 65%

स्वच्छाग्रह

स्वच्छाग्रह भारत के सबसे बड़े जन आंदोलनों में से एक – सत्याग्रह से प्रेरित है जिसने देश की नियति बदल कर रख दी थी। इसकी शुरुआत **स्वच्छता की संस्कृति बनाने** के संदर्भ में लोगों को सहभागी बनाने और उसी तरह का बदलाव लाने के उद्देश्य से हुई थी।

स्वच्छाग्रह युवा नेताओं के माध्यम से लोगों में नागरिक चेतना को बढ़ावा देकर देश के स्वच्छ भारत अभियान को एक कदम और आगे ले जाता है। अध्ययन–अध्यापन के द्वारा व्यवहार परिवर्तन के माध्यम से छात्र अन्वेषण, खोज, विचार, व्यवहार और साझाकरण की प्रक्रिया से गुजरते हैं। इस प्रकार यह कार्यक्रम उन छात्र–नेताओं का निर्माण करते हैं जो अपने आस–पास के लोगों को प्रभावित करते हैं और छोटे–छोटे कार्यों को करने के लिए एक वृहद् सामूहिक चेतना को प्रेरित करते हैं।

- **सूचीबद्ध स्कूलों की संख्या: 19 राज्यों में 5760+**
- **सामुदायिक पहुँच: 12 करोड़ नागरिक**
- **छात्रों की संख्या: 80,000 से अधिक स्वच्छाग्रह दल सदस्यों के साथ 26 लाख**

उड़ान

उड़ान परियोजना के तहत एक्सपोजर टूर आयोजित किए जाते हैं जिसमें स्कूली विद्यार्थियों को अदानी समूह के विभिन्न व्यावसायिक जगहों जैसे अदानी पोर्ट, अदानी पावर और अदानी विल्मर पेट्रोलियम संयंत्र, मुंद्रा, हजीरा, कवई, तिरोदा, धामरा और उडुपी का दौरा करने का मौका दिया जाता है ताकि वे एक अंतर्दृष्टि प्राप्त कर सकें और जीवन में बड़े सपने देखने के लिए प्रेरित हो सकें। यह प्रयास युवा मस्तिष्कों को भी बड़े सपने देखने के लिए प्रेरित करता है और उन्हें भविष्य के उद्यमी, नवप्रवर्तक और विजेता बनने में मदद करता है और इस प्रकार राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया में सक्रिय भूमिका निभाता है।

- **लगभग 3,48,831 युवा छात्रों ने अब तक सभी स्थलों पर हमारी सुविधाओं का दौरा किया है।**
- **दस वर्षों (2010-19) में कुल 5261 दौरे किए गए हैं।**

सुपोषण

फॉर्च्यून सुपोषण एक विशेष परियोजना है जो अदानी फाउंडेशन के मुख्य तीन कार्यक्षेत्रों–शिक्षा, स्वास्थ्य और सतत आजीविका विकास को एक में समाहित करती है। यह 0-5 वर्ष की आयुवर्ग के बच्चों, किशोरियों, गर्भवती महिलाओं, स्तनपान कराने वाली माताओं और प्रजनन–आयु की महिलाओं में कुपोषण और एनीमिया को कम करने का लक्ष्य रखता है। ऐसा इसलिए सम्भव हो पाया है क्योंकि फाउंडेशन द्वारा सुपोषण संगिनियों को प्रशिक्षित करके उन्हें घर–घर जाने और समुदाय के स्वास्थ्य की देखभाल करने में सक्षम बनाया गया है। सुपोषण संगिनी एक ग्राम स्वास्थ्य स्वयंसेवक है जो परियोजना के उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए लक्षित समूहों के बीच जागरूकता और व्यवहार परिवर्तन को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

- **देश भर के 1,263 गांवों और नगरपालिका वार्डों में 638 संगिनियाँ काम कर रही हैं और 3,24,064 परिवारों को सेवाएं प्रदान कर रही हैं।**
- **28,895 बच्चे जिनकी पहचान कुपोषित बच्चों के रूप में की गयी थी वे अब स्वस्थ अवस्था में हैं।**

◆◆◆

FLF
FUTURE LIFESTYLE FASHIONS

*Terms & Conditions Apply.

KARMA

200 BEST BRANDS | 20%-70% OFF | SALE 365 DAYS

BRAND FACTORY

BEST BRANDS ▸ SMART PRICES

SKECHERS | Levi's | Lee Cooper | Buffalo | W | VanHeusen | United Colors of Benetton | U.S. Polo Assn. | Gini & Jony | Peter England

23 CITIES. 55 STORES

www.brandfactoryonline.com | brand factory | CUSTOMER CARE NO.: 18002101888

DESAI HARMONY

WADALA (W)

MAHA RERA NO.P51900009455

Follow Us On

Swimming Pool

Ample Car Parking

Podium Garden

Health & Fitness Center

Luxurious 2, 3 & 4 BHK Apartments

Centrally located in the heart of the city (Wadala, West), Desai Harmony makes your life convenient as the best of the metropolis surrounds you. It's a two minutes drive from all the major infrastructure facilities and the most happening destinations of Mumbai. **Stay closer to life.**

Call :+91 9209206206 / +91 75061 18929 / +91 98198 51644

E : sales@sparkdevelopers.in | sms Spark Wadala to 56677

Our Projects At : Worli | Andheri | Ghatkopar | Vile-Parle

Site Address : Desai Harmony, G.D Ambekar Marg, Opp. Hanuman Industrial Estate, Near Dadar Workshop, Wadala, Mumbai - 400 031

Corp. Office : 102, Saroj Apartment, 1st Floor, N.P. Marg, Opp. Matunga Gujarati Club, King's Circle, Matunga, Mumbai – 400 019

SPARK DEVELOPERS
creating world for you

www.sparkdevelopers.in

Disclaimer: This advertisement is merely conceptual and is not a legal document. It cannot be treated as a part of final purchase agreement. All dimensions are approximate and subject to construction variances. The developer reserves sole rights to amend architectural specifications during development stages.

डॉ. चंद्रकांत लहारिया

साल 2021 से स्वस्थ समाज के लिए 5 सीखें मिली हैं

साल 2021 हम में से कोई भी शायद ही भूल पाए। अप्रैल और मई के महीने में कोविड की दूसरी लहर में जो भयावह स्थिति पैदा हुई , उसने लोगों को झकझोर दिया। खैर , बुरा समय भी गुजर जाता है। अब यह साल खत्म होने वाला है। पिछले कुछ महीने हर किसी के लिए कठिन थे, लेकिन क्या हम इस साल से कुछ सीखें ले सकते हैं जो भविष्य में काम आए, आइए इस बारे में बात करें।

पहली सीख : कोई भी बीमारी, व्यक्तिगत जीवन, परिवार, समाज और देश के विभिन्न पहलुओं को प्रभावित करती है। हम पुराने समय से सुनते आए हैं कि **पहला सुख निरोगी काया**। कोविड महामारी से सीख लेकर हर व्यक्ति को अपने स्वास्थ्य का ख्याल रखना चाहिए। अपने शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य का ख्याल रखना स्वार्थी नहीं बल्कि सही व्यवहार है। खास तौर से महिलाएं अपने स्वास्थ्य की कीमत पर दूसरों का ख्याल रखती है, लेकिन याद रखिए, जब आप खुद स्वस्थ रहेंगे, तभी परिवार के दूसरे सदस्यों के स्वास्थ्य का ख्याल रख पाएंगे। अगर हम सब अपने – अपने स्वास्थ्य का ख्याल रखें, तो पूरा समाज स्वस्थ रहेगा।

दूसरी सीख : शारीरिक और मानसिक बीमारियां एक दूसरे से जुडी होती हैं। कोविड 19 की बीमारी ने लोगों और परिवार के मानसिक स्वास्थ्य को बहुत ज्यादा प्रभावित किया। उसी तरह, अधिक चिंता और तनाव मधुमेह, उच्च रक्तचाप और अन्य गंभीर शारीरिक बीमारियों को जन्म दे सकता है। कई लोग मानसिक बीमारियों को हेय दृष्टि से देखते हैं और इनको छुपाते हैं। अब समय आ गया है कि बीमारी चाहे शारीरिक हो या मानसिक समय पर डॉक्टर से सलाह लें और उसका पूरा इलाज कराएं।

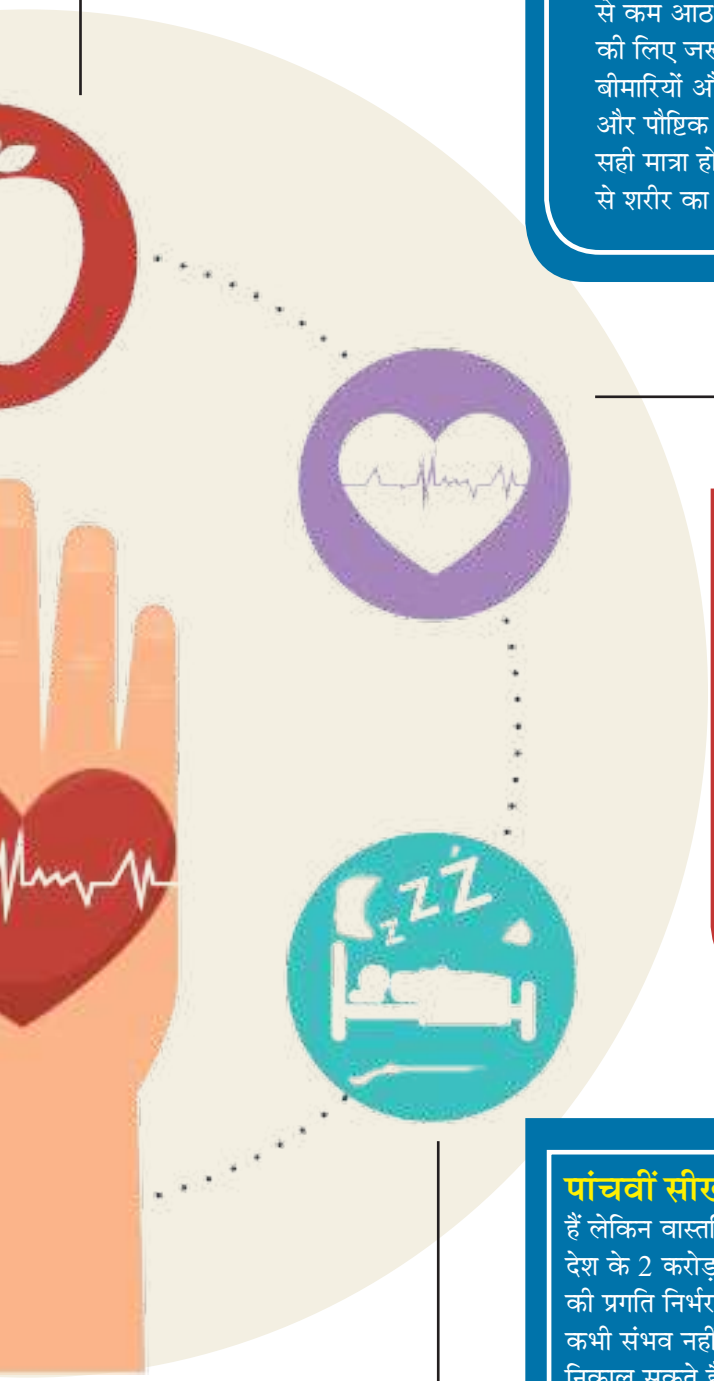

तीसरी सीख : सेहत से जुड़े कुछ व्यवहार हमें कई गम्भीर बीमारियों से बचा सकते हैं। नियमित व्यायाम, योग और प्राणायाम तथा हर दिन घूमना स्वास्थ्य पर चमत्कारी असर करता है। साथ ही, समय पर सोना और उठना, कम से कम आठ घंटे की नींद, शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य की लिए जरूरी है। धूम्रपान छोड.देने से कई सांस की बीमारियों और कैंसर रोग से बचा जा सकता है। अच्छा और पौष्टिक आहार जिसमें फल, सब्जियां और दूध की सही मात्रा हो, स्वस्थ रखता है। साथ में खट्टे फलों के लेने से शरीर का सुरक्षा तंत्र मजबूत रहता है।

चौथी सीख : हमें लोगों और समाज को स्वस्थ रखने की अपनी नैतिक जिम्मेदारी उठानी होगी। कुछ महीने पहले आए राष्ट्रीय फैमिली हेल्थ सर्वेक्षण में पाया गया कि देश में एनीमिया अर्थात खून की कमी और कुपोषण लगभग सभी आयु वर्ग में बड़ी चुनौती हैं। बच्चों और महिलाओं में यह समस्या विकट है और वर्षों से इसमें बहुत कम सुधार हुआ है। अपनी सामाजिक जिम्मेदारी स्वीकार करते हुए, हमें अपने गांव और कॉलोनी में स्कूल और आंगनवाड़ियों में बच्चों को पोषण शिक्षा और आहार वितरण सक्रिय भागीदारी देनी चाहिए।

पांचवीं सीख : कोविड – 19 की महामारी में बच्चे तुलनात्मक रूप से सुरक्षित रहे हैं लेकिन वास्तविकता यह है कि इस दौरान स्कूलों के बंद रहने से सबसे अधिक नुकसान देश के 2 करोड़ बच्चों की शिक्षा का हुआ है। बच्चों की शिक्षा पर घर, समाज और देश की प्रगति निर्भर करती हैं। पिछले दो साल में हुए शिक्षा के नुकसान की पूरी भरपाई तो कभी संभव नहीं होगी लेकिन कुछ कदम उठाए जा हैं। अगर आप युवा हैं और कुछ समय निकाल सकते हैं, तो आसपास के स्कूलों, खासतौर से सरकारी और ऐसे स्कूल जिसमें गरीब तबके के बच्चे पढ़ें, वहां संपर्क करके बच्चों को पढ़ाने के लिए कुछ समय दीजिए। उनके अच्छे स्वास्थ्य और शिक्षा में आपका योगदान दूर तक जाएगा। साथ ही, इस चुनौती को एक अवसर में बदलते हुए, हमें स्कूल स्वास्थ्य सुविधाओं को सुदृढ़ करने के प्रयास करने चाहिए। हम आने वाले साल में इस वर्ष की सिर्फ बुरी यादें रखेंगे या कुछ सीखों को लेकर आगे बढ़ेंगे। यह आपके हाथ में है। एक बात पूरी तरह सुनिश्चित है कि यह महामारी जल्द ही खत्म होगी। आने वाले वर्ष के लिए आपके अच्छे स्वास्थ्य की कामनाएं। ◆◆◆

मदन सबनवीस
मुख्य अर्थशास्त्री, केयर रेटिंग्स

मुद्रास्फीति बड़ी चिंता बनी हुई है, क्योंकि सरकार इस मामले में थोड़ा ही कर सकती है। उच्च आयात कीमतों के कारण खाद्य कीमतें विशेष रूप से खाद्य तेल की कीमतें ज्यादा हैं। बाकी कमोडिटी की कीमतें भी बढ़ी हैं।

आर्थिक मोर्चे पर कैसा रहा 2021

केंद्र सरकार द्वारा उत्पाद शुल्क घटाने के बावजूद ईंधन महंगा बना हुआ है। पिछले 18 महीनों में हुए नुकसान की भरपाई के लिए टेलीकॉम, मनोरंजन, यात्रा, हॉस्पिटेलिटी जैसे क्षेत्रों ने भी कीमतें बढ़ाई हैं।

साल खत्म होने को है। ऐसे में इसका लेखा – जोखा करते हैं। सकारात्मक पहलू पर देखें तो पहली बड़ी पॉजिटिव खबर ये है कि विकास दर पटरी पर लौट आई है। अब ये इस साल 9% रही या 11%, ये अनुमान का विषय हो सकता है पर तथ्य ये है कि सभी क्षेत्रों के लिए परिचालन का रास्ता साफ है। हालांकि, ओमिक्रॉन की वापसी के साथ कुछ राज्यों में प्रतिबंध भी बढ़ाए गए हैं। दूसरा, आरबीआई बैंकों के साथ पर्याप्त तरलता बरकरार रखे हुए है और फंड्स की कमी नहीं है। इससे व्यावसायिक उद्देश्य से ब्याज दरें कम रखने में मदद मिली है। हालांकि, सरकारों के लिए ऋण लागत साल भर बढ़ी है। तीसरा, सरकार कुछ आर्थिक नीतियों में आक्रामक रही है, थोड़े समय बाद इसका असर दिखेगा। संपत्ति विमुद्रीकरण की नीति में यह एअर इंडिया की बिकवाली

के साथ शुरू हुआ। पीएलआई योजना अब तक किसी भी सरकार द्वारा लागू की गई सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन आधारित योजना है क्योंकि इसमें किसी तरह की सब्सिडी नहीं होती, पर एक तय समय में निश्चित लक्ष्य हासिल करने पर पेबैक है।

चौथा, अमेरिकी केंद्रीय बैंक की नीतियों के चलते विदेशी मुद्रा प्रवाह में आई उथल – पुथल के बावजूद बाहरी परिस्थितियां स्थिर बनी रहीं। तथ्य ये है कि इस साल 58 बिलियन डॉलर विदेशी मुद्रा भंडार में जमा किए गए। हालांकि, रुपए की कीमत गिरी है, पर अगर रुपया कमजोर नहीं हुआ होता, तो हमें चिंतित होना चाहिए था क्योंकि इसका मतलब निर्यात प्रतिस्पर्धात्मकता का नुकसान होता और आखिर में कॉर्पोरेट कंपनियों का प्रदर्शन लगातार सुधरा है, यह साल की पहली दो तिमाही में बिक्री और मुनाफे की अच्छी वृद्धि से साफ झलकता है।

अब बात गंभीर चिंताओं की। **पहला,** मुद्रास्फीति बड़ी चिंता बनी हुई है, क्योंकि सरकार इस मामले में थोड़ा ही कर सकती है। उच्च आयात कीमतों के कारण खाद्य कीमतें विशेष रूप से खाद्य तेल की कीमतें ज्यादा हैं। बाकी कमोडिटी की कीमतें भी बढ़ी हैं। केंद्र सरकार द्वारा उत्पाद शुल्क घटाने के बावजूद ईंधन महंगा बना हुआ है। पिछले 18 महीनों में हुए नुकसान की भरपाई के लिए टेलीकॉम, मनोरंजन, यात्रा, हॉस्पिटेलिटी जैसे क्षेत्रों ने भी कीमतें बढ़ाई हैं। लागत बढ़ोत्तरी के साथ ग्राहक उत्पाद इलेक्ट्रॉनिक्स भी महंगे हो गए हैं। **दूसरा,** जबकि सरकार एलआईसी के विनिवेश की बात कर रही है, पर इस दिशा में बहुत कम प्रगति दिखाई दे रही है। सवाल है कि क्या कि इतने बड़े इश्यू को लेकर बाजार में वैसी भूख दिख रही है या नहीं क्योंकि बाजार फिलहाल नीचे है।

तीसरा, भले ही विनिवेश को नजरअंदाज किया जाए , अनुपूरक मांग के अनुसार स्वीकृत 3 लाख करोड़ रुपये के उच्च व्यय से राजकोष पर दबाव पड़ेगा क्या ? सरकार अगले तीन महीने में अधिक कर राजस्व प्राप्त करने की स्थिति में होगी ? **चौथा,** जबकि केंद्र पूंजी व्यय को लेकर अच्छा काम कर रहा है, पर राज्यों की ओर से सीमित निवेश आ रहा है, जो कि अपने राजकोषीय घाटों को लेकर ज्यादा चौकस हैं और खर्च पर लगाम लगा रहे हैं। निवेश को बढ़ावा देने वाला निजी क्षेत्र सुस्त अवस्था में है, उम्मीद है कि पीएलआई से कुछ आगे बढ़ेंगे। निवेश में तेजी नहीं आना भी चिंता है, महामारी से पहले भी ये समस्या थी। आखिरी बात, बहस जारी है कि क्या नौकरियों का सृजन हुआ, क्योंकि बेरोजगारी के आंकड़ों में बहुत उतार–चढ़ाव है, ऐसे में इसका कोई स्पष्ट डाटा नहीं। ◆◆◆

इसाउ मैकॉले

> “
>
> नए साल पर हर बार लोग कोई न कोई प्रण लेते हैं। लेकिन उनमें से ज्यादातर उनका पालन नहीं कर पाते। मैं उम्मीद करता हूं कि हमें उन जिम्मेदारियों से पीछे नहीं हटना चाहिए, जो हमें पूर्वजों ने सौंपी है।

नये साल में न्यायपूर्ण एवं उदार समाज की उम्मीद

बचपन में चर्च वह आखिरी जगह होती थी, जहां मैं नए साल की प्रार्थना करने जाना चाहता था लेकिन अमूमन होता यही था कि हर साल दूसरे बच्चों के साथ हमें चर्च में **वॉच नाइट** की सेवाओं के लिए इकट्ठा कर लिया जाता था। हम इसका इंतजार करते रहते थे कि कब छूटें और क्लबों तथा घरों की पार्टियों में शामिल हों, जो तब तक हमारे बगैर ही अक्सर शुरू हो जाती थीं। दरअसल अश्वेत चर्च में वॉच नाइट की परंपरा की शुरुआत अब्राहम लिंकन की ऐतिहासिक मुक्ति घोषणा का उत्सव मनाने के लिए हुई थी। बीती सदी के 90 के दशक में मेरी पीढ़ी के लिए **वॉच नाइट** का मतलब होता था चर्चा में गीतों और उपदेशों का माहौल यह हमारे जिंदा बच जाने के लिए आभार और नए साल की शुभकामनाओं से भरा होता था।

वॉच नाइट में हम अश्वेतों के जिंदा बच जाने का उत्सव मनाया जाता था। हमारे पूर्वज कहते थे कि अलबामा में अश्वेत होकर जिंदा रह जाना चमत्कार से कम नहीं था। हमारे आसपास के अनेक अश्वेत बुजुर्ग कपास के खेतों में हुए शोषण, नस्लीय अलगाव से जुड़े अत्याचार और नशे के खिलाफ कठोर सरकारी दमन के बीच भी जिंदा बचे रह गए थे। कई बार ऐसा होता कि **वॉच नाइट** के पिछले अवसर पर दिखे बुजुर्ग अगले समारोह में नहीं दिखते। **वॉच नाइट** उन अश्वेतों को याद करने का भी अवसर होता था , जो मानवीय क्रूरता और अन्याय का शिकार हो गए थे। बाद के दिनों में **वॉच नाइट** बच्चों को चर्च में व्यस्त रखने का एक अवसर ही हो गया ।

मुझे याद है कि मेरी मां नए साल की पार्टी से मुझे हमेशा दूर रखना चाहती थीं, क्योंकि वह जानती थीं कि ऐसे अवसर पर किसी न किसी झमेले में हमारे फंस जाने की आशंका है। मुझे बचपन के चर्च की याद है, जो जंगल के पास था, जहां हम अश्वेतों की बड़ी आबादी थी। जब हम वहां जाते, तो बताया जाता कि हममें अच्छाई, सच्चाई, सौंदर्य और पवित्रता की जरूरत है, जो कि हममें जीवन की उम्मीद भरे हमें कहा जाता कि सदियों से हमारे साथ जो अन्याय हुआ है, उसी के कारण हमारे जीवन में इतनी कठिनाइयां आई हैं। हमारे आसपास अनेक ऐसे लोग थे, जो कहते थे कि हमारे साथ हुआ अन्याय हमारे ही पूर्व जन्म का फल है। पर चर्च इससे इत्तफाक नहीं रखता था। वह कहता था कि ईश्वर जिस तरह हमें बुराई करने से रोकता है, उसी तरह वह संस्थागत नस्लवाद का भी विरोध करता है।

बचपन में अच्छा व्यक्ति बनने और अन्याय का विरोध करने की भावना मुझे चर्च से ही मिली। **वॉच नाइट** के लिए चर्चा में गए मुझे अब कई साल हो चुके हैं। श्वेतों के वर्चस्व वाले विश्वविद्यालय में अध्ययन, और ब्रिटेन में पढाई की वजह से अश्वेत चर्च अब मुझसे पीछे छूट गए हैं। इस बीच में उन लोगों के बीच रहा हूं, जिन्हें कुख्यात दास प्रथा, अश्वेतों की अमानवीय नीलामी और जान बचाने के लिए आधी रात भागने की थोड़ी भी याद नहीं है। नए साल पर हर बार लोग कोई न कोई प्रण लेते हैं। लेकिन उनमें से ज्यादातर उनका पालन नहीं कर पाते। मैं उम्मीद करता हूं कि हमें उन जिम्मेदारियों से पीछे नहीं हटना चाहिए, जो हमें पूर्वजों ने सौंपी है। वर्ष 2022 में हमें अपने अधिकारों के प्रति सजग रहना चाहिए, ताकि हमारी आने वाली पीढ़ी को उदार और न्यायपूर्ण समाज मिले।

◆◆◆

डॉ. एरिका पिमेंटल

क्रिप्टो 2022

ऐसे तीन क्षेत्र हैं, जहां क्रिप्टोकरेंसी 2022 में ऊर्जा प्राप्त करेगी। भुगतान के साधन के रूप में क्रिप्टोकरेंसी की स्वीकार्यता और बइसकी विनियामक निगरानी बऔर एनएफटी गतिविधियों में भी बहोगी ।

वर्ष 2021 में क्रिप्टोकरेंसी ने कई प्रमुख व सफलताएं हासिल कीं। सबसे पहले, प्रमुख नीलामी घरों ने इन डिजिटल संपदाओं की बिक्री में नया रिकॉर्ड स्थापित किया। दूसरी बात, एक्सपेडिया और माइक्रोसॉफ्ट जैसी प्रमुख वेबसाइटों द्वारा बिटकॉइन को विनिमय के साधन के रूप में स्वीकार किए जाने के बाद इसने मुख्यधारा में स्वीकृति की ओर कदम बढाया। तीसरी बात, विगत सितंबर में अल सल्वाडोर दुनिया का पहला देश बन गया, जिसने बिटकॉइन को कानूनी वैधता प्रदान की। पिछले एक साल में क्रिप्टोकरेंसी के बाजार का कैसे विस्तार हुआ, इसके कई उदाहरण हैं। इस बढ़ती स्वीकार्यता के साथ 2022 क्रिप्टोकरेंसी के लिए कैसा रहेगा ? हमारा मानना है कि ऐसे तीन क्षेत्र हैं, जहां क्रिप्टोकरेंसी 2022 में ऊर्जा प्राप्त करेगी। भुगतान के साधन के रूप में क्रिप्टोकरेंसी की स्वीकार्यता और बढ़ेगी, इसकी विनियामक निगरानी बढ़ेगी और एनएफटी गतिविधियों में भी बढ़ोत्तरी होगी। यह समझना शोधकर्ताओं के लिए चुनौतीपूर्ण रहा

कि वे कौन से कारक हैं, जो लोगों को बिटकॉइन अपनाने के लिए प्रेरित करते हैं।

हाल का एक अध्ययन बताता है कि लोगों को प्रेरित करने वाले पांच मुख्य कारक ये हैं– व्यवस्था पर भरोसा, ऑनलाइन प्रचार, लेन – देन के लिए उपलब्ध वेब प्लेटफॉर्म की गुणवत्ता, निवेश के कथित जोखिम और बिटकॉइन के प्रदर्शन को लेकर उम्मीदें। क्रिप्टो स्पेस की स्थितियों ने यह संभावना बढ़ा दी है कि निकट भविष्य में बिटकॉइन मुख्यधारा बन जाएगा। पिछले साल यूरोपीय निवेश बैंक (ईआईबी) जैसे संस्थागत खिलाड़ियों ने क्रिप्टो पर रुख अपनाया। पिछले अप्रैल में ईआईबी ने इथेरियम ब्लॉकचेन पर 10 करोड़ यूरो डिजिटल बॉन्ड जारी किया। गोल्डमैन सैक्स, बैंको सेंटेंडर और सोसाइटी जनरल भी इसमें शामिल थे। अनुसंधान ने व्यापक क्रिप्टो अपनाने को एक महत्वपूर्ण मोड़ के रूप में संस्थागत स्वीकार्यता की ओर इशारा किया है और ऐसा लगता है कि हम शीघ्र उस दिशा में बढ़ रहे हैं।

कुल मिलाकर, पॉइंट ऑफ सेल्स की बढ़ती उपलब्धता और क्रिप्टो स्पेस में संस्थागत निवेश की संभावना, वर्ष 2022 में भुगतान साधन के रूप में बिटकॉइन की स्वीकार्यता बढ़ाएगी। क्रिप्टोकरेंसी के बाद विकेंद्रीकृत वित्त (डिफाई) को फिनटेक में व्यापक रूप से अगला मोर्चा माना जाता है । डिफाई विकेंद्रित व्यवस्था बनाने का अवसर प्रदान करती है, जो पीयर टू पीयर (नेटवर्क) ऋण सुविधा के लिए डिस्ट्रीब्यूटेड लेजर टेक्नोलॉजी पर निर्भर होता है, स्थिर मुद्रा जैसी नई वित्तीय प्रतिभूतियों का निर्माण करता है या कॉरपोरेट गवर्नेंस के लिए नया मॉडल पेश करता है। नियामक भी तेजी से ध्यान दे रहे हैं। नवंबर में, यूरोपीय परिषद ने क्रिप्टो एसेट्स ढांचे में बाजार पर अपनी स्थिति की घोषणा की, जो क्रिप्टोकरेंसी और डिफाई पर विस्तृत नियामक स्पष्टता प्रदान करेगी। उसी महीने, फेडरल रिजर्व के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स, फेडरल डिपॉजिट इंश्योरेंस कॉरपोरेशन और अमेरिकी मुद्रा नियंत्रक के कार्यालय ने एक संयुक्त बयान जारी किया, जिसमें घोषणा की गई कि वे क्रिप्टो पर नीति निर्देशों का एक सेट तैयार करेंगे। शोधकर्ताओं ने विनियमन की कमी को मुख्यधारा में क्रिप्टो की स्वीकार्यता के लिए एक बड़ी बाधा माना है।

कई देशों द्वारा अपनी राष्ट्रीय मुद्रा के डिजिटल संस्करण तैयार करने पर विचार करने के साथ सरकारी निगरानी बढ़ेगी, जिससे संभवत: वर्ष 2022 में नियामक गतिविधियां बढ़ेंगी। वर्ष 2022 एनएफटी की बिक्री की एक नई लहर लेकर आया उदाहरण के लिए, एक एनएफटी ठीक उसी तरह डिजिटल कला के स्वामित्व का प्रमाण पत्र पेश कर सकता है, जिस तरह भौतिक कैनवास विंसेंट वान गॉग की पेंटिंग के स्वामित्व का प्रमाण पत्र पेश करता है।

हालांकि, एनएफटी डिजिटल कला के स्वामित्व को औपचारिक रूप देने के एक तरीके के रूप में शुरू हुआ, लेकिन उन्होंने डिजिटल रियल एस्टेट सहित अन्य प्रकार की डिजिटल संपत्ति को उसमें शामिल करने के लिए विस्तार किया है। जैसे – जैसे नए एनएफटी एप्लीकेशंस सामने आएंगे, यह क्षेत्र भी 2022 में बढ़ेगा। निवेश के इन अवसरों के बावजूद क्रिप्टो निवेशकों को ऑनलाइन समुदाय के दावों पर संदेह करना चाहिए । क्रिप्टो उत्साही लोगों को निवेश से पहले ठीक से जांच परख कर लेनी चाहिए। एक बात तो तय है कि 2022 में नई योजनाओं के साथ नए धोखे भी सामने आएंगे। जैसे लोकप्रिय नेटफ्लिक्स शो में कैपिटलाइज्ड स्क्विड गेम क्रिप्टो एक धोखा था क्रिप्टो आखिरकार एक काल्पनिक खेल है और यह सबके लिए नहीं है।

– साथ में बर्टेंड माल्श और नाथानिएल लोह

(द कन्वरसेशन से) ◆◆◆

शाहरुख का स्टाइल शिल्पा शेट्टी ने किया कॉपी

शिल्पा शेट्टी अपने स्टाइल और अंदाज के लिए खास जानी जाती हैं। सोशल मीडिया पर उनकी वीडियो फैंस का दिल जीत लेती हैं। बीते दिनों उन्हें एयरपोर्ट पर वोट मांगते देखा गया था। वहीं अब उन्होंने एक वीडियो अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर शेयर किया है इस वीडियो में देखा जा सकता है कि शिल्पा शेट्टी शाहरुख खान की नकल करती दिखाई दे रही हैं।

फिलहाल, तो बता दें कि इस वीडियो को 1.6 मिलियन से ज्यादा बार देखा जा चुका है। वायरल हो रहे शिल्पा के इस वीडियो में देखा जा सकता है कि एक्ट्रेस काले रंग के हेलीकॉप्टर से जंप मारकर बाहर आती हैं। जैसा कि कभी खुशी कभी गम में शाहरुख खान स्लो मोशन में जंप लेते हैं। शिल्पा के चलने का स्टाइल लुक और बैकग्राउंड के 3 जी फिल्म की तरह ही दिखाई दे रहा है। इस वीडियो को शेयर करने के साथ ही वे लिखती हैं कि घर वापस आने का एहसास, बेमिसाल होता है। हम सभी थोड़े जैसे हैं। आपको बता दें कि इस वीडियो पर फैंस और सेलेब्स जमकर कमेंट कर रहे हैं। इस वीडियो पर पहले करण जौहर कमेंट कर ताली वाले इमोजी शेयर कर उनकी तारीफ करते हैं। वहीं, एक यूजर ने कमेंट कर कहा– ये भी अच्छा है लेकिन ओरिजनल – ओरिजनल ही होता है। शिल्पा शेट्टी के काम की बात करें तो शिल्पा इन दिनों इंडियाज गॉट टैलेंट के शो को जज कर रही हैं। सेट से उनके आए दिनों वीडियो जमकर वायरल होते हैं।

◆◆◆

PeaceGifts

Peace Mugs

Peace Fragrance

Peace Candies

Peace Frames

Peace Caps

Peace Watch

Peace T-shirts

Contact
Lamiya
+91 9167457769
lamiya@peacecafee.com

Or

Buy Online : **www.peacecafee.com**

यूपी: अर्थव्यवस्था को 10 खरब डॉलर तक ले जाने का लक्ष्य नई सरकार के हवाले

उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था को 10 खरब डॉलर तक ले जाने की समय सीमा में बदलाव किया गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अब यह लक्ष्य 2022-27 की पंचवर्षीय अवधि में हासिल करने का लक्ष्य तय किया है। सरकार ने इस लक्ष्य को हासिल करने में सहयोग के लिए कंसलटेंट चयन की कार्रवाई नए सिरे से शुरू करने के निर्देश दिए हैं। केंद्र सरकार ने देश की अर्थव्यवस्था को अगले पांच वर्ष में 50 खरब डॉलर (5 ट्रिलियन डॉलर) तक ले जाने का एलान किया था। इसके बाद मुख्यमंत्री ने इसमें 10 खरब डॉलर का योगदान यूपी से करने का लक्ष्य तय किया था। इसके लिए आईआईएम लखनऊ के साथ पूरे मंत्रिमंडल व शासन के अधिकारियों ने अध्ययन किया और इस लक्ष्य को पाने में सहयोग के लिए एक कसंलटेंट चयन का फैसला किया था। 2019 में इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए 2020-25 की कार्यावधि तय की गई थी। मगर इसी बीच कोविड महामारी से बचाव के लिए लगाए लॉकडाउन से अर्थव्यवस्था बेपटरी हो गई, जो अब तक पूरी तरह से रफ्तार नहीं पकड़ पाई है। शासन के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि बीच में इस लक्ष्य के लिए समयसीमा बढ़ाने का प्रस्ताव हुआ तो मुख्य सचिव ने इसे 2021-26 करने का सुझाव दिया। लेकिन, जब यह प्रस्ताव सीएम के पास सहमति के लिए गया तो उन्होंने इसे 2022-27 तक करने की सहमति दी। दरअसल, यह विधानसभा चुनाव बाद नई सरकार की पंचवर्षीय कार्य अवधि है। उन्होंने इसी आधार पर कंसलटेंट चयन के लिए प्री-बिड कार्रवाई आगे बढ़ाने को मंजूरी दी है।

पूर्व में यह कार्रवाई शुरू की गई थी, जिसे निरस्त करना पड़ा था। अब कंसलटेंट चयन की कार्यवाही मुख्य सचिव की अध्यक्षता वाली उच्चाधिकार प्राप्त समिति करेगी। मुख्य सचिव ने

इस समिति के सहयोग के लिए एक उप समूह के गठन का आदेश दिया है। अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास आयुक्त की अध्यक्षता में यह उप समूह गठित किया गया है।

उप समूह में ये शामिल

अध्यक्ष- संजीव कुमार मित्तल, अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास आयुक्त। सदस्य- अपर मुख्य सचिव कार्मिक डॉ. देवेश चतुर्वेदी, प्रमुख सचिव लोक निर्माण - नितिन रमेश गोकर्ण, प्रमुख सचिव प्राविधिक शिक्षा - अमृत अभिजात, डीएम गोरखपुर - विजय किरन आनंद, डीएम बाराबंकी आदर्श सिंह और डीएम संतकबीरनगर दिव्या मित्तल। इसके अलावा एक विशेष आमंत्रित सदस्य- नामित अर्थशास्त्री।

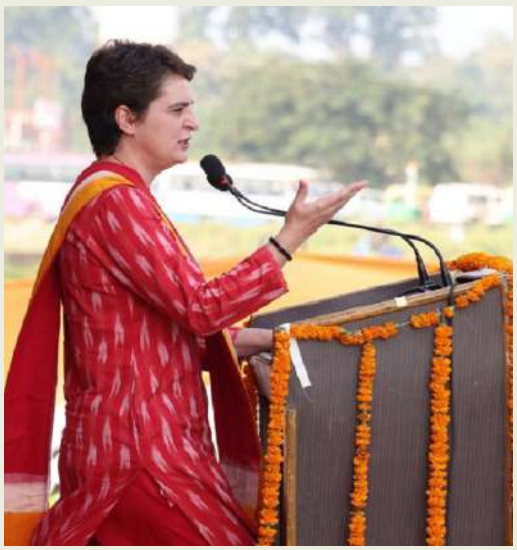

उत्तर प्रदेश चुनाव में कांग्रेस का वादा

सरकार बनी तो यूपी में आशा वर्कर्स को 10 हजार मानदेय मिलेगा

उत्तर प्रदेश समेत पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव होने हैं। राजनीतिक दलों की तरफ से कई लुभावने वादे हो रहे हैं। कांग्रेस ने भी यूपी में अपनी पूरी ताकत झोंक दी है। दो दिन पहले ही प्रियंका गांधी ने फिरोजाबाद और आगरा में महिलाओं की सभाओं को संबोधित किया। इस दौरान मिलने आईं आशा कार्यकर्ताओं से उन्होंने

बडा वादा किया। कहा कि अगर उत्तर प्रदेश में कांग्रेस की सरकार बनती है तो आशा कार्यकर्ताओं को प्रतिमाह दस हजार रुपया मानदेय दिया जाएगा। इसके अलावा अलग-अलग कामों के लिए मिलने वाला इन्सेंटिव भी बढ़ा दिया जाएगा।

उत्तर प्रदेश की आशा कार्यकर्ताओं के लिए यह बड़ा वादा है। क्योंकि अभी आशा कार्यकर्ताओं का मानदेय केवल 750 रुपय प्रतिमाह था। कुछ दिनों पहले ही इसे बढ़ाकर 1500 किया गया है। अब अलग-अलग मदों में मिलने वाली प्रोत्साहन राशि को मिलाकर एक आशा कार्यकर्ता को करीब छह हजार रुपये प्रतिमाह मिलेंगे। वहीं, प्रियंका गांधी के चुनावी वादों के अनुसार आशा कार्यकर्ताओं को प्रतिमाह दस हजार रुपये मानदेय दिए जाएंगे, जबकि अलग-अलग मदों में मिलने वाली प्रोत्साहन राशि को भी दोगुना कर दिया जाएगा। इस तरह से प्रतिमाह आशा बहनों का मानदेय करीब 17 से 18 हजार रुपये हो जाएगा।

यूपी चुनाव में आशा कार्यकर्ता क्यों जरूरी ?

उत्तर प्रदेश में आशा कार्यकर्ताओं की संख्या करीब 2.10 लाख है। इनमें 1.56 लाख से अधिक आशा कार्यकर्ता ग्रामीण क्षेत्रों में तैनात हैं, जबकि 60 हजार से अधिक शहरी क्षेत्रों में हैं। इनके परिवार के सदस्यों को भी इसमें शामिल कर लें तो यह संख्या करीब पांच लाख हो जाएगी।

कांग्रेस शासित राज्यों में आशा कार्यकर्ताओं की क्या हालत है ?

प्रियंका गांधी उत्तर प्रदेश की आशा कार्यकर्ताओं के लिए दस हजार रुपये प्रतिमाह मानदेय का वादा कर रहीं हैं, लेकिन आंकड़े बताते हैं कि कांग्रेस शासित राज्यों में भी हालत कुछ ठीक नहीं है।

1. पंजाब : यहां अब तक आशा कार्यकर्ताओं को केवल कमीशन मिलता था। मतलब जब आशा कार्यकर्ता किसी गर्भवती महिला को अस्पताल ले जाती थी, उसे टीका लगवाती थी या उसका चेकअप करने जाती थी तब उसे सरकार की तरफ से कुछ निर्धारित रकम दी जाती थी। दो दिन पहले ही पंजाब के मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी ने आशा कार्यकर्ताओं को नए साल का तोहफा दिया है। अब आशा वर्करों को 2500 रुपये प्रति माह मानदेय के तौर पर दिए जाएंगे।

2. राजस्थान : सबसे बुरी स्थिति राजस्थान में है। यहां एक आशा कार्यकर्ता को सभी भत्ते मिलाकर प्रतिमाह केवल 2970 रुपये मिलते हैं। कोरोनाकाल के दौरान एक कोरोना मरीज के घर सर्वे करने का एक रुपया दिया जाता था। इसके अलावा साल में दो बार नीली साड़ी दी जाती है। हालांकि दो सालों से यह भी नहीं मिली है।

3. छत्तीसगढ़ : यहां भी प्रतिदिन आशा कार्यकर्ताओं और सहयोगिनों को प्रतिदिन 50 रुपये यात्रा भत्ता मिलता था। दो दिन पहले इसे बढ़ाकर 100 रुपये कर दिया गया है। इसके अलावा सात तरह की सेवाओं में आशा कार्यकर्ताओं को मिलने वाली प्रोत्साहन राशि दोगुनी कर दी है। बाकी में यथावत रखा है। यहां भी केंद्र सरकार की तरफ से दिए जाने वाले प्रतिमाह दो हजार रुपये के अलावा आशा कार्यकर्ताओं और सहयोगिनों को यात्रा भत्ता मिलता है। इस तरह से एक आशा कार्यकर्ता को प्रतिमाह करीब चार हजार रुपये मिलते हैं।

यूपी में भी सीएम योगी ने चला दांव

चुनाव नजदीक आते ही उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आशा वर्कर्स को खुश करने के लिए सियासी दांव चल दिया। कुछ दिनों पहले ही सीएम योगी ने आशा कार्यकर्ताओं के मानदेय में 750 रुपये की बढ़ोतरी का एलान किया। इसके अलावा कार्यकर्ताओं को साल में दो साड़ी देने का भी फैसला लिया है। सीएम योगी ने आशा कार्यकर्ताओं को स्मार्ट फोन बांटने का काम शुरू किया। इसके तहत 80 हजार आशा वर्कर्स को स्मार्ट फोन दिया जाएगा। योगी ने कहा कि आशा कार्यकर्ताओं को केंद्र सरकार के दो हजार रुपये और राज्य सरकार के साढ़े सात सौ रुपये तथा विभिन्न प्रोत्साहन राशि को मिलाकर कुल 5300 रुपये मानदेय मिलते थे, लेकिन अब आपके कार्यों को देखते हुए राज्य सरकार ने मानदेय को साढ़े सात सौ रुपये से बढ़ाकर 1500 रुपये करने का निर्णय किया है। योगी ने कहा कि कोरोना वायरस के प्रबंधन में एक स्वास्थ्यकर्मी और कोरोना योद्धा के रूप में आशा वर्करों की भूमिका बहुत सराहनीय रही। ◆◆◆

शार्दुल और अश्विन में कोई हो सकता है बाहर

भारतीय टेस्ट कप्तान विराट कोहली अमूमन विनिंग कॉम्बिनेशन में बदलाव के लिए नहीं जाने जाते। भारत ने सेंचुरियन टेस्ट आसानी से जीत लिया था ऐसे में उम्मीद यही है कि जोहानिसबर्ग में शुरू हो रहे सीरीज के दूसरे टेस्ट में वह अपने विनिंग कॉम्बिनेशन से छेड़छाड़ नहीं करेंगे। लेकिन बदले कंडिशंस को देखते हुए शायद वह टीम में एक अतिरिक्त स्पेशलिस्ट बोलर को शामिल करने पर विचार कर सकते हैं। भारत के शीर्ष छह बल्लेबाजों में कोई भी बोलिंग नहीं करता। ऐसे में विराट टीम में पेस बोलर ऑलराउंडर रखना पसंद करते हैं क्योंकि इससे टीम का संतुलन बेहतर हो जाता है। पिछले मैच में टीम ने शार्दुल ठाकुर को पेस बोलिंग ऑलराउंर के तौर पर शामिल किया था। लेकिन सेंचुरियन में शार्दुल सिर्फ दो ही विकेट निकाल सके और बल्ले से भी ज्यादा कामयाब नहीं हुए।

वांडर्रस पर दिख रही घास: बता रहे हैं कि जोहानिसबर्ग में फिलहाल बारिश हो रही है और वांडर्रस की पिच पर घास भी दिख रही है। यानी कंडिशंस पेसर्स के ज्यादा अनुकूल हैं और हेड कोच राहुल द्रविड़ व कप्तान कोहली इसका फायदा उठाने के लिए शार्दुल की जगह अनुभवी उमेश यादव को शामिल कर चार स्पेशलिस्ट बोलर्स के साथ उतर सकता है। उमेश के पास अनुभव भी है और वह लगातार 135 किमी प्रति घंटे से तेज रफ्तार से गेंद फेंक सकते हैं। उनकी मौजूदगी जसप्रीत बुमरा, मोहम्मद शमी और मोहम्मद सिराज की पेस तिकड़ी को और ताकत देगी।

पिछली बार नहीं था स्पिनर: टीम इंडिया जब पिछली बार 2018 में इस मैदान पर खेली थी तब उसने अपनी एकादश में चार स्पेशलिस्ट पेसर्स के अलावा हार्दिक पंड्या को पेस बोलर ऑलराउंडर के तौर पर शामिल किया था। टीम स्पिनर के बगैर उतरी थी और मुकाबले को 63 रन से अपने नाम किया था। यानी एक कॉम्बिनेशन ऐसा भी तैयार हो सकता है। ऐसी स्थिति में शार्दुल को तो जगह मिल जाएगी लेकिन ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन बेंच पर चले जाएंगे साल 2013 में जब टीम इस मैदान पर खेली थी तब अश्विन को एकादश में रखा गया था। हालांकि उस मुकाबले में 42 ओवर फेंकने के बाद भी अश्विन की झोली खाली रह गई थी।

खेल सकते हैं सात बल्लेबाज: अभी भी जो हालात हैं वो स्पिन बोलिंग के अनुकूल नहीं हैं। थिंक टैंक थोड़ी और माथापच्ची करते हुए सातवें बल्लेबाज के तौर पर हनुमा विहारी को भी टीम में शामिल कर सकती है। हनुमा ने विदेशी पिचों पर भारत के लिए अच्छा प्रदर्शन किया है खासकर मुश्किल हालात वाले पिच पर उन्हें हराना आता है। टीम हालात को देखते हुए बल्लेबाजी को और मजबूत करना चाहेगी। ऐसे में चार स्पेशलिस्ट पेसर्स के साथ हनुमा को इलेवन में रखा जा सकता है, जो थोड़ी बहुत स्पिन बोलिंग भी कर लेते हैं।

6 विकेट लिए थे 53 रन देकर अनिल कुंबले ने। 1992 में जोहानिसबर्ग टेस्ट में इस मैदान पर एक इनिंग्स में किसी भारतीय का यह सर्वश्रेष्ठ बोलिंग प्रदर्शन है।

4 भारतीय बल्लेबाज जोहानिसबर्ग में टेस्ट सेंचुरी जड़ चुके हैं। ये चार बल्लेबाज हैं - सचिन तेंडुलकर (1992), राहुल द्रविड. (1997), चेतेश्वर पुजारा (2013) और विराट कोहली (2013)

◆◆◆

a2zonlineservices.com

PROJECT MANAGEMENT & CONSTRUCTION MANAGEMENT

ARCHITECTURAL DESIGN SERVICES | INTERIOR DESIGN

A2Z ONLINE SERVICES PRIVATE LIMITED

Tech Park One, Tower ‘E’, 191 Yerwada, Pune-411 006 (INDIA)

50%* ज़्यादा शक्तिशाली

नया गुडनाइट पावर ऐक्टिव+ लगाओ

और अपने परिवार को रखो मच्छरों से सुरक्षित

ज़्यादा पावर
पुश करो,
ज़्यादा ख़ुश रहो

*IFI 0.88% लिक्विड वेपोराइज़र की तुलना में, लैब की मानक स्थितियों में जांच करने पर.

TITLE NO. MAHHINO7214/13/A2009-TC BY OFFICE THE REGISTRAR OF NEW PAPER FOR INDIA
MINISTRY OF INFORMATION & BRODCASTING, GOVT. OF INDIA.

Registration No. : MAHHIN/2009/30744
Postal Registration No. : MH/MR/N/139/MBI/10-12

हम सब की है यही पुकार । हरा-भरा हो यह संसार ।।

जनहित में प्रकाशित